राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 04 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-196 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

17 साल से जेल में बंद अंडरवर्ल्ड डान अरुण गवली हुआ रिहा

मुंबई (एजेंसी)। अंडरवर्ल्ड डान और राजनेता अरुण गवली उर्फ डैडी को 17 साल से अधिक जेल में बिताने के बाद बुधवार को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 2007 के एक हत्या के मामले में गवली को जमानत दे दी। वह मुंबई शिवसेना नगरसेवक कमलाकर जामसांडेकर की हत्या में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। मुंबई के गैंगस्टर से विधायक बने अरुण गवली के जीवन का यह सबसे बड़ा मोड़ है। गवली के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा लगाए गए नियमों और शर्तों के अधीन अरुण गवली को जमानत दे दी। गवली ने 9 दिसंबर, 2019 के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी, जिसने निचली अदालत द्वारा उसे दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। अरुण गवली 2004 से 2009 तक मुंबई के चिंचपोकली विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी रहे। अगस्त 2012 में मुंबई सत्र न्यायालय ने उन्हें एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 17 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

जर्मनी के विदेश मंत्री भारत दौरे पर, यूक्रेन को समर्थन देने पर हो सकती है बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान डेविड वेडफुल भारत दौरे पर हैं। रुस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने नए सिरे से वैश्विक प्रयास शुरू हो गए हैं। ऐसे में वेडफुल की भारत यात्रा को काफी अहम है। बुधवार को वेडफुल भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कई मुद्दों पर जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल की बैठकों में बात हो सकती है। दोनों देश अपने व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाना चाहते हैं। इस दौरे में यूक्रेन को समर्थन देने के तरीकों पर भी बात होगी। रूस के व्यापारिक साझेदारों पर प्रतिबंध लगाने पर भी चर्चा हो सकती है। इससे भारत और रूस के ऊर्जा संबंधों में दिक्कत आ सकती है। जयशंकर ने पिछले हफ्ते फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन से फोन पर बात की थी ओर कहा था कि यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत को अनुचित तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। वह फिर से इस बात पर जोर दे सकते हैं कि भारत ने हमेशा बातचीत और कूटनीति का समर्थन किया है। भारत चाहता है कि यह संघर्ष जल्द समाप्त हो। वहीं पीएम मोदी ने भी चीन में रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दौरान यही संदेश दिया था। जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल ने संदेह जताया है कि क्या पुतिन वास्तव में शांति वार्ता में रुचि रखते हैं। वह रूस पर और दबाव डालना चाहते हैं। इसमें ईयू के नए प्रतिबंध भी शामिल हैं।

नौसेना की क्षमताओं में होगा इजाफा... दो बड़ी पनडुब्बी डील अंतिम दौर में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी नौसेना की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए दो बड़ी पनडुब्बी डील अंतिम रूप देने वाले है, जिनकी कुल लागत 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह कदम चीन की बढ़ती समुद्री ताकत के बीच उठाया जा रहा है। अगले साल के मध्य तक ये डील फाइनल हो सकती हैं। पहली डील तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की है, जो मुंबई के मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) और फ्रांस की नेवल ग्रुप के साथ संयुक्त रूप से बनेगी। दूसरी डील छह डीजल-इलेक्ट्रिक स्टेल्थ पनडुब्बियों की है, जो जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) के साथ एमडीएल द्वारा बनेगी। ये डील नौसेना की अंडरवाटर वॉरफेयर क्षमता को मजबूत करेगी। यह डील प्रोजेक्ट 75 का फॉलो-ऑन ऑर्डर है। 2023 में रक्षा मंत्रालय ने इसकी मंजूरी दी थी, लेकिन तकनीकी और व्यावसायिक मुद्दों पर बातचीत में देरी हुई।

बिहार में एक ही दिन पानी में डूबने से 14 लोगों की मौत

पटना (एजेंसी)। बुधवार का दिन बिहार में कई परिवारों के लिए मातम भरा साबित हुआ। पटना, नालंदा, नवादा और मुंगेर जिलों से पानी में डूबने की अलग-अलग घटनाओं में कुल 14 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा मौत नवादा में हुई है। वहां कुल 5 लोगों की डूबने से मौत हुई, जिनमें एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल थे। जबकि नालंदा और मुंगेर में भी ऐसी ही घटनाएं घटी, जहां प्रत्येक जिले में 3-3 लोगों की मौत पानी में डूबने से हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटना के दानापुर अनुमंडल क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर डूबने की घटनाओं में एक बुजुर्ग और एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। पहली घटना दानापुर दियारा के अखिलपुर थाना क्षेत्र की है, जहां मानस नया पानापुर गांव के 60 वर्षीय चंद्रदेव सिंह की तालाब में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चंद्रदेवसिंह सुबह लगभग 5 बजे शौच के लिए घर से निकले थे। गांव में बाढ़ के कारण गंगा का पानी चारों ओर फैला हुआ है। इसी दौरान रास्ते में आए पानी भरे तालाब को वे पहचान नहीं सके और उनका पैर फिसल गया। गहरे पानी में चले जाने के कारण वे डूब गए। जब काफी देर तक वे घर नहीं लौटे तब परिजनों ने खोजबीन शुरू की, तो उनका शव तालाब में मिला। स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची अखिलपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर उनके परिजनों को सौंप दिया। वहीं दूसरी घटना मनेर थाना क्षेत्र के लोदीपुर की है, जहां 13 वर्षीय प्रियांशु कुमार की आहर में डूबने से मौत हो गई।

'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को अंजाम देने वाले वीरों से मिले शाह... दिल्ली में किया सम्मानित

इस मौके पर सीएम साय और डिप्टी सीएम शर्मा भी रहे मौजूद

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने करेंगुट्टालु पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी और कोबरा के जवानों से नई दिल्ली में मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। उन्होंने एक्स पर इसकी तस्वीरें भी शेयर कीं। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प है कि हम 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने वाले है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने करेंगुट्टालु पहाड़ी पर चले अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में वीर जवानों द्वारा शौर्यपूर्ण प्रदर्शन कर अभियान को सफल बनाने के लिए सभी सुरक्षाबलों के

जवानों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक सभी नक्सली या आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएं या समाप्त न हो जाएं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सलमुक्त बनाकर ही दम लेने वाले है। शाह ने कहा कि गर्मी, ऊंचाई और हर कदम पर आईईडी के खतरों के बावजूद सुरक्षाबलों ने बुलंद हौसले के साथ अभियान को सफल बनाकर नक्सलियों का बेस कैंप समाप्त किया। उन्होंने कहा कि करेंगुट्टालु पहाड़ी पर बने नक्सलियों के मटेरियल डंप और सप्लाई चेन को छत्तीसगढ़ पुलिस, सीआरपीएफ, डीआरजी और कोबरा के जवानों ने पराक्रम से नष्ट किया। नक्सलियों ने देश के सबसे कम विकसित क्षेत्रों को बहुत नुकसान पहुंचाया है, स्कूल और अस्पताल बंद किए और सरकारी योजनाओं को लोगों तक नहीं पहुंचने दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलविरोधी अभियानों के कारण पशुपतिनाथ से लेकर तिरुपति तक के क्षेत्र में साढ़े 6 करोड़ लोगों के जीवन में नया सूर्योदय हुआ है।

मोदी बुधवार को सेमीकॉन इंडिया में पहुंचे, माइक्रॉन के स्टॉल में देखा 'मेड इन इंडिया' चिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली स्थित यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में चल रहे सेमीकॉन इंडिया 2025 के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को शिरकत की। इस दौरान उन्होंने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों से बातचीत की और टेक्नोलॉजी से बने प्रोजेक्ट्स और उत्पादों को करीब से देखा। मंगलवार को पीएम मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा था कि दुनिया भारत पर भरोसा करती है और सेमीकंडक्टर के भविष्य को भारत के साथ मिलकर बनाना चाहती है। उन्होंने इस मौके पर चिप्स को 21वीं सदी का 'डिजिटल डायमंड' बताया था।

1.5 लाख करोड़ के निवेश से सेक्टर को मिलेगी मजबूती- प्रधानमंत्री ने बताया कि वैश्विक सेमीकंडक्टर मार्केट पहले ही 600 अरब डॉलर का हो चुका है और आने वाले वर्षों में यह 1 ट्रिलियन डॉलर को पार कर जाएगा। उनका विश्वास है कि भारत जिस गति से इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, उसमें इस 1 ट्रिलियन डॉलर मार्केट का बड़ा हिस्सा भारत के पास होगा।

नागरिकता संशोधन अधिनियम पर केंद्र का बड़ा फैसला

- पाक-बांग्लादेश-अफगानिस्तान से 2024 तक आए अल्पसंख्यक भारत में रह सकेंगे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने धार्मिक उत्पीड़न से बचकर भारत आए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदायों को बड़ी राहत दी है। गृह मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के वे लोग, जो 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हैं, उन्हें पासपोर्ट या अन्य ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स के बिना भी देश में रहने की अनुमति दी जाएगी। यह आदेश इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्टर, 2025 के तहत जारी किया गया है। इसके तहत उन लोगों को राहत मिलेगी जो मान्य पासपोर्ट और वीजा के बिना भारत में आए या जिनके डॉक्यूमेंट्स की वैधता खत्म हो चुकी है। गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि ऐसे लोग जो धार्मिक उत्पीड़न या उसके भय से भारत आए और 31 दिसंबर 2024 तक देश में दाखिल हुए, उन्हें पासपोर्ट और वीजा रखने के नियम से छूट दी जाएगी।

31 दिसंबर 2024 तक भारत आए अल्पसंख्यक समुदायों को पासपोर्ट और वीजा की अनिवार्यता से छूट दी जाएगी। चाहे वे लोग बिना डॉक्यूमेंट्स आए हों या वैध डॉक्यूमेंट्स लेकर आए हों जिनकी अब वैधता समाप्त हो चुकी है। यह छूट विशेष रूप से उन लोगों को दी गई है जिन्हें धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि सीएए, पिछले साल लागू हुआ था। इसके तहत अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदायों - हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई - को, अगर वे 31 दिसंबर 2014 तक भारत आ चुके हैं, तो भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। कई लोग 2014 के बाद भी धार्मिक उत्पीड़न से बचकर भारत आए थे। इनमें खासतौर पर पाकिस्तान से आए हिंदुओं की संख्या अधिक है। ऐसे लोगों के लिए यह आदेश बड़ी राहत लेकर आया है क्योंकि अब उन्हें देश में रहने के लिए पासपोर्ट या वीजा की वैधता दिखाने की जरूरत नहीं होगी।

पंजाब में फसलों को भारी नुकसान अब तक 30 की मौत,

पंजाब के 23 जिले बाढ़ प्रभावित घोषित

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने बीते रोज सभी 23 जिलों को बाढ़ प्रभावित घोषित कर दिया है। इस प्राकृतिक आपदा ने अब तक 30 लोगों की जान ले ली है और 3.5 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है। सूबे की प्रमुख नदियों - सतलुज, ब्यास और रवि के उफान पर होने और बांधों के पूरी तरह भर जाने से स्थिति और गंभीर हो गई है। बांधों के जलाशय लबालब भरे हुए हैं, जबकि नदियां खतरे के निशान के पास बह रही हैं, जिसके कारण कई जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इस बीच, राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अलग-अलग प्रभावित इलाकों का दौरा किया। मान ने नाव से फिरोजपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, कटारिया ने फिरोजपुर और तरनतारन के गंभीर रूप से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान के लिए लोगों को दिए जाने वाले अल्प मुआवजे पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, मान ने केंद्र के राहत मानदंडों में वृद्धि की मांग की। उन्होंने केंद्र से पंजाब के 60,000 करोड़ रुपये के लंबित फंड को जारी करने की फिर से मांग की और कहा कि वह क्षेत्र में आई बाढ़ के मद्देनजर राज्य के अधिकारों की मांग कर रहे हैं, न कि भीख मांग रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की 23 टीमें, सेना, वायुसेना, नौसेना और सीमा सुरक्षा बल की टीमें प्रभावित जिलों में सक्रिय हैं। इसके अलावा, 114 नावें और एक राज्य हेलीकॉप्टर बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। अब तक 15,688 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें गुरदासपुर से 5,549, फिरोजपुर से 3,321 और फाजिल्का से 2,049 लोग शामिल हैं। राज्य में 174 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 74 सक्रिय हैं। इन शिविरों में 4,729 लोग शरण लिए हुए हैं। फिरोजपुर में सबसे अधिक 3,450 लोग राहत शिविरों में हैं। स्वास्थ्य मंत्री बलवीर सिंह ने बताया कि 818 मेडिकल टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तैनात की गई हैं ताकि किसी भी व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहना पड़े। पशुओं के लिए भी चारा और पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में 12प्र. और 28प्र. टैक्स स्लैब हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने बड़ा परिवर्तन किया है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में 12 और 28 फ़ीसदी का टैक्स स्लैब खत्म करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही सिर्फ पांच फ़ीसदी और 18 फीसदी के टैक्स लागू होंगे। इसके बाद दैनिक जरूरत की चीज सस्ती हो जाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ तौर पर कहा कि इसका मकसद आम आदमी को राहत देना है। परिषद ने तम्बाकूऔर विलासिता की वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत की नई स्लैब को मंजूरी दी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'हमने स्लैब कम कर दिए हैं। अब केवल दो स्लैब होंगे और हम क्षतिपूर्ति उपकर के मुद्दों पर भी विचार कर रहे हैं।' सीतारमण ने कहा कि ये सुधार आम आदमी को

ध्यान में रखकर किए गए हैं। आम आदमी के दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर लगने वाले हर कर की कड़ी समीक्षा की गई है और ज़्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी आई है... श्रम प्रधान उद्योगों को अच्छा समर्थन दिया गया है। किसानों और कृषि क्षेत्र के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र को भी लाभ होगा। अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों को प्रमुखता दी जाएगी।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि आम आदमी और मध्यम वर्ग की वस्तुओं पर जीएसटी पूरी तरह से कम कर दिया गया है। जिन वस्तुओं पर जीएसटी घटाकर 5प्र. कर दिया गया है, वे हैं हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप, साबुन की टिकिया, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साइकिल, टेबलवेयर, किचनवेयर और अन्य घरेलू सामान। जिन वस्तुओं पर जीएसटी 5त्र से घटाकर शून्य कर दिया गया है, वे हैं अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर दूध, छेना और पनीर। सभी भारतीय रोटियों पर जीएसटी शून्य होगा। यानी रोटी हो या पराठा, सब पर शून्य। जीएसटी 12प्र. से घटाकर 18प्र. या 5प्र. कर दिया गया है -

खाद्य पदार्थ - नमकीन, बुज्जिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, कॉर्नफ्लेक्स, मक्खन, घी, ये सभी 5प्र. के दायरे में हैं।

28प्र. से घटाकर 18प्र. - एयर कंडीशनिंग मशीनें, 32 इंच से बड़े टीवी, सभी टीवी अब 18प्र., डिशवाशिंग मशीनें, छोटी कारें, 350 सीसी या उससे कम क्षमता वाली मोटरसाइकिलें, सभी पर अब 18प्र. कर लगेगा।

एससी-एसटी कानून कमजोर वर्ग की स्थिति सुधारने के लिए लाया गया

- यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम को कमजोर वर्ग की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से लाया गया था और यह आरोपी को गिरफ्तारी से पूर्व जमानत देने पर रोक लगाता है। सीजेआई बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने यह टिप्पणी की। पीठ ने जातिगत अत्याचार के आरोपों का सामना कर रहे आरोपी को अग्रिम जमानत देने संबंधी मुंबई हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया।

न्यायालय ने कहाकि धारा 18 के प्रावधान और उसके तहत तय किये गए प्रतिबंध को उस उद्देश्य और प्रयोजन के संदर्भ में देखा जाना चाहिए जिसके साथ संसद ने एससी-एसटी अधिनियम, 1989 को अधिनियमित किया था। पीठ ने कहा कि यह कानून अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उपायों को लागू करने के उद्देश्य से लागू किया गया था। कोर्ट ने कहा कि अंतर्निहित विचार यह तय करना है कि इन वर्गों से संबंधित लोगों को उनके नागरिक अधिकारों से वंचित न किया जाए, उन्हें अपमान का सामना न करना पड़े और उन्हें अपमान और उत्पीड़न से बचाया जाए।

पीठ ने कहा कि यह एक सख्त प्रावधान प्रतीत होता है और यह सामाजिक न्याय प्राप्त करने और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों के लिए समाज के अन्य वर्गों के समान ही बराबर का दर्जा सुनिश्चित करने के संवैधानिक विचार को रेखांकित करता है। पीठ ने शिकायतकर्ता द्वारा उच्च न्यायालय के 29 अप्रैल के आदेश के विरुद्ध दायर अपील को स्वीकार कर लिया।

बीजेपी के सिंहासन पर बैठेंगी महारानी? वसुंधरा-भागवत मुलाकात के बाद क्या चर्चाएं हैं

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने बुधवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात की। दोनों के बीच जोधपुर में करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। राजे और भागवत की मुलाकात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। मोहन भागवत मंगलवार को 9 दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे। इस बैठक में संघ परिवार के 32 संगठनों के शीर्ष नेता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होंगे।

अखिल भारतीय समन्वय बैठक के लिए जोधपुर में संघ प्रमुख

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत, संघ और उसके सहयोगी संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की तीन दिवसीय वार्षिक अखिल भारतीय समन्वय बैठक के लिए जोधपुर में हैं। यह बैठक जोधपुर के लाल सागर क्षेत्र स्थित आदर्श विद्या मंदिर में 5 से 7 सितंबर तक होगी। आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार एवं मीडिया विभाग प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में शामिल होने वाले सभी संगठनों के प्रतिनिधि राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और सामाजिक परिप्रेक्ष्य से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर व्यापक चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने जमीनी अनुभवों के आधार पर देश की वर्तमान स्थिति का आकलन भी प्रस्तुत करेंगे। आरएसएस महासचिव और अन्य पदाधिकारियों के बैठक में भाग लेने के लिए मंगलवार से यहां पहुंचने की उम्मीद है। बैठक में राष्ट्र सेविका समिति, वनवासी कल्याण आश्रम, विश्व हिंदू परिषद (विहिप), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती और भारतीय मजदूर संघ समेत 32 संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन सचिव और प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे।

समन्वय बैठक से पहले विशेष मुलाक़ात

मोहन भागवत और वसुंधरा राजे के बीच यह मुलाक़ात न सिर्फ़ राजस्थान में, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी नए समीकरण गढ़ सकती है और भाजपा की भावी रणनीति को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह तो आने वाला समय ही बताएगा कि क्या यह मुलाक़ात वाकई राष्ट्रीय राजनीति में वसुंधरा राजे की बड़ी भूमिका की शुरुआत है या सिर्फ़ पार्टी के भीतर संतुलन बनाए रखने की एक कोशिश।

आरएसएस प्रमुख और वसुंधरा राजे की मुलाकात से राजनीतिक संकेत

1. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की संभावना

सबसे बड़ा राजनीतिक संकेत यह है कि आरएसएस वसुंधरा राजे को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का समर्थन कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, आरएसएस की पहली पसंद वसुंधरा राजे हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह शिवराज सिंह चौहान का समर्थन कर रहे हैं। पूर्व आरएसएस नेताओं का मानना ??है कि वसुंधरा राजे संघ के प्रति वफ़ादार हैं और पार्टी को वैचारिक स्तर पर मज़बूत कर सकती हैं। अगर ऐसा होता है, तो वह भाजपा की पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगी।

2. मोदी-शाह खेमे से तालमेल की कोशिशें

वसुंधरा राजे के मोदी-शाह के साथ रिश्ते कभी भी बहुत सहज नहीं रहे। 2023 के विधानसभा चुनाव में वह मुख्यमंत्री पद की सबसे बड़ी दावेदार थीं, लेकिन पार्टी आलाकमान ने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बना दिया। हाल ही में, राजे ने प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से मुलाकात की है, जिससे संकेत मिलता है कि पार्टी उन्हें अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है।

3. आरएसएस-भाजपा के बीच संतुलन की राजनीति

इस बैठक से साफ़ संकेत मिलता है कि आरएसएस भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपनी प्राथमिकता थोपने में कामयाब हो रहा है। मोहन भागवत ने अपने हालिया बयान में कहा था कि ÷हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं है÷, जो भाजपा के लिए भी एक संदेश था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा

(लेखक- डॉ. जितेंद्र सिंह)

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का कहना है कि गगनयान भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो उसकी मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमताओं की पुनः पुष्टि करेगा और पृथ्वी के लिए लाभकारी अनुप्रयोगों सहित वैज्ञानिक ज्ञान में वृद्धि करेगा।

प्रश्न- भारत के अंतरिक्ष भविष्य के लिए गगनयान का सबसे बड़ा परिणाम क्या होगा?

उत्तर- अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का उदय पहले ही हो चुका है और इसे वैश्विक स्तरर पर स्वी कार किया गया है। अब हम अनुयायी मात्र नहीं हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में समान भागीदार हैं। गगनयान मिशन एक और निर्णायक मोड़ का प्रतीक होगा। यह न केवल मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमताओं की पुन-पुष्टि करेगा, बल्कि हमारे वैज्ञानिक ज्ञान में भी वृद्धि करेगा। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला द्वारा सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण या माइक्रोग्रेविटी, कृषि और जीवन विज्ञान पर किए गए प्रयोगों के साथ-साथ, यह मिशन पृथ्वी पर अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। यह भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगा, जबकि हम बुनियादी ढाँचे, विकास और जीवन को सुगम बनाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग जारी रखेंगे।

प्रश्न- शुक्ला जैसे युवा अंतरिक्ष यात्रियों के आने से, हमारी मानव अंतरिक्ष यात्रा को आकार देने में युवाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है?

उत्तर-अंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में भारत के भविष्य के लिए युवा अपरिहार्य हैं। हमारी 70 प्रतिशत से अधिक आबादी 40 वर्ष से कम आयु की है, इसलिए स्वाभाविक रूप से, वे विकसित भारत के पथप्रदर्शक हैं। अंतरिक्ष में, शारीरिक और मानसिक अनुकूलनशीलता की आवश्यकता के कारण युवाओं को बढ़त हासिल है। उदाहरण के लिए, गगनयान के लिए प्रशिक्षित चार अंतरिक्ष यात्रियों में, शुभांशु सबसे कम उम्र के थे और यह बात लाभदायक रही। अंतरिक्ष मिशनों के लिए त्वरित अनुकूलन की आवश्यकता होती है, जिसे युवा अधिक कुशलता से संभाल सकते हैं।

प्रश्न-क्या आपको लगता है कि गगनयान वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और महिला अंतरिक्ष यात्रियों के लिए संभावनाओं के द्वार खोलेगा?

उत्तर-जी बिल्कुल। अंतरिक्ष विज्ञान में पुरुषों और महिलाओं के बीच कोई भेद नहीं है। 15 अगस्त, 2018 को जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार गगनयान की घोषणा की थी, तो उन्होंने कहा था कि भारत का एक बेटा या बेटी अंतरिक्ष में जाएंगे । वर्तमान में, चयनित चार अंतरिक्ष यात्री पुरुष हैं, वे वायु सेना से हैं और इसका कारण मुख्यतः उनका उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त होना है। लेकिन आगे चलकर, वायु सेना से बाहर के अंतरिक्ष यात्रियों को भी शामिल किया जाएगा, जिनमें महिलाएँ भी होंगी। वैश्विक स्तर पर, महिलाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी रही हैं। भारत में भी, इसरो की कई परियोजनाओं का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों ने किया है, चाहे वह चंद्रयान हो, आदित्य हो या अन्य।

प्रश्न- क्या गगनयान भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशनों में शामिल होने या अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा?

उत्तर-भारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन नामक स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने 卐सुदर्शन सुरक्षा चक्र卐 का भी उल्लेख किया है, जहाँ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसलिए, 2035 एक युगांतकारी वर्ष होगा... उसके पाँच साल बाद, भारत का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर मानव सहित मिशन भेजना है।

प्रश्न- भारत सेमीकंडक्टर और एआई तकनीकों में प्रगति कर रहा है, ऐसे में सरकार भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसी परियोजनाओं के लिए सेमीकंडक्टर मिशन को अंतरिक्ष-स्तरीय आवश्यकताओं के साथ कैसे जोड़ रही है?

उत्तर-सेमीकंडक्टरों के व्यापक अनुप्रयोग होंगे, जिनमें अंतरिक्ष मिशन भी शामिल हैं। इसी प्रकार, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर न केवल पृथ्वी के घने या दुर्गम क्षेत्रों में, बल्कि लंबी अवधि के अंतरिक्ष अभियानों के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। ये तकनीकें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी भविष्य की परियोजनाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण होंगी।

प्रश्न- चंद्रमा या मंगल मिशन के दौरान आप भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को किस प्रकार के प्रयोग करते देखना चाहेंगे?

उत्तर-हाल के मिशन में, प्रयोगों को सात श्रेणियों में बांटा गया था। जीवन विज्ञान विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। उदाहरण के लिए, मायोजेनेसिस—सूक्ष्मगुरुत्व या माइक्रोग्रेविटी में मांसपेशियों के क्षय और पुनर्जनन—का अध्ययन कैंसर, मधुमेह या यहाँ तक कि पृथ्वी पर फ्रैक्चर से उबरने जैसी स्थितियों के लिए सीधे तौर पर प्रासंगिक है। एक अन्य समूह ने लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क में रहने के संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन किया, जो आज के डिजिटल युग में अत्यधिक प्रासंगिक है। हमने सूक्ष्मगुरुत्व या माइक्रोग्रेविटी में मेथी जैसे पौधे उगाने का भी प्रयोग किया, जो पुनर्योजी जीव विज्ञान और आनुवंशिक अनुप्रयोगों से संबंधित अनुसंधान में सहायक हो सकता है।

मुख्य बात यह है कि अंतरिक्ष प्रयोग केवल कक्षा में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पृथ्वी पर लोगों के लिए भी लाभकारी हैं और विश्वगुरु भारत के विचार को आगे बढ़ाते हैं।

प्रश्न- स्पैडेक्स के बाद, भारत वैश्विक ग्राहकों के लिए अंतरिक्ष डॉकिंग और उपग्रह सेवा का मुद्रीकरण कब शुरू करेगा?

उत्तर-हमने स्पैडेक्स के माध्यम से डॉकिंग और अनडॉकिंग का अनुभव प्राप्त करना शुरू कर दिया है। आगामी चंद्रयान-4 मिशन, जो 2028 के आसपास अपेक्षित है, में जटिल डॉकिंग और अनडॉकिंग प्रक्रियाएँ करने वाले कई मॉड्यूल शामिल होंगे। इससे हमें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी बड़ी परियोजनाओं के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्राप्त होगी। अंतरिक्ष पर्यटन व्यवहार्य होते ही, डॉकिंग तकनीक यात्री सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। समय के साथ, भारत द्वारा वैश्विक ग्राहकों के लिए डॉकिंग, सर्विसिंग और पर्यटन संबंधी बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के साथ ही मुद्रीकरण भी होगा।

प्रश्न- भारत सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से पाँच वर्षों में 52 जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। ऐसे सहयोगों से राष्ट्रीय सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी?

उत्तर-सुरक्षा उपाय पहले से ही मौजूद हैं। हमने इन-स्पेसस (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र) बनाया है, जो अंतरिक्ष में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को नियंत्रित करता है। यह सुरक्षा संबंधी सरोकारों का पूरी तरह ध्यान में रखना सुनिश्चित करते हुए सहयोग के पैमाने और प्रकृति का निर्धारण करता है। साथ ही, हमने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर इस क्षेत्र को उदार बनाया है। विनियमन और खुलेपन का यह संतुलन राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना नवाचार को संभव बनाता है।

प्रश्न- 1,000 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष को मंजूरी मिल गई है, लेकिन पिछले साल अंतरिक्ष-तकनीक फंडिंग में कमी आई। यह कोष स्टार्टअप्स को कैसे सहायता देगा?

उत्तर-कुछ साल पहले तक, अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप्स का होना लगभग असामान्ये था। आज, हमारे पास लगभग 400 स्टार्टअप हैं, जिनमें से कुछ पहले ही सफल उद्यमी बन चुके हैं। स्टार्टअप केवल रॉकेट लॉन्च करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये मैपिंग, स्मार्ट सिटी, कृषि, टेलीमेडिसिन और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में भी फैले हुए हैं।

इस कोष का उद्देश्य उन्हें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना है। अंतरिक्ष अचानक करियर का एक आकर्षक विकल्प बन गया है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, जो कभी एक विशिष्ट क्षेत्र हुआ करता था, अब आईआईटी में सबसे अधिक मांग वाली शाखाओं में से एक है। यह बदलाव अपने आप में इस क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाता है।

प्रश्न- भारत ने 2033 तक वैश्विक अंतरिक्ष बाजार का 8 प्रतिशत हिस्सा प्राप्तअ करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उपग्रह प्रक्षेपणों के अलावा, कौन सी तकनीकें भारत को स्पेसएक्स और चीन से मुकाबला करने में मदद करेंगी?

उत्तर-ज्यादा ध्यान रॉकेट और प्रक्षेपणों पर है, लेकिन लगभग आधे अंतरिक्ष अनुप्रयोग पृथ्वी पर ही हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कृषि, बुनियादी ढाँचे और यहाँ तक कि युद्ध में भी एकीकृत है। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना का ही उदाहरण लें; यह समय, धन और कागजी कार्रवाई बचाने के लिए उपग्रह चित्रों का उपयोग करती है, जिससे आर्थिक विकास में सीधा योगदान मिलता है। इसी तरह, अंतरिक्ष इनपुट किसानों को बुवाई और फसल उगाने का समय तय करने में मदद करते हैं। ये बचत धन सृजन जितनी ही मूल्यवान है। इसलिए हमें उम्मीद हैं कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, जो वर्तमान में लगभग 8 बिलियन डॉलर है, अगले दशक में पाँच गुना बढ़कर 40-45 बिलियन डॉलर हो जाएगी, जिससे भारत को वैश्विक रैंकिंग में ऊपर उठने में मदद मिलेगी।

प्रश्न/ क्या आप केवल वायु सेना के पायलटों को ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी भारत के अंतरिक्ष यात्री समूह में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे?

उत्तर-बिल्कुल। फ़िलहाल, वायु सेना के पायलट हाई एल्टीट्यूड जेट विमानों में प्रशिक्षण के कारण बेहतर रूप से तैयार हैं, लेकिन यह तो बस शुरुआत है। भविष्य में, हमारे अंतरिक्ष यात्री समूह का विस्तार होगा और इसमें आम नागरिक, महिलाएँ, जैव-प्रौद्योगिकीविद, अंतरिक्ष चिकित्सक और यहाँ तक कि मीडिया पेशेवर भी शामिल होंगे ताकि मिशनों को वास्तविक समय में रिकॉर्ड किया जा सके। जैसे-जैसे यह प्रणाली विकसित होगी, भारत को अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के एक बड़े और अधिक वैविध्यरपूर्ण समूह की आवश्यकता होगी।

संपादकीय

उम्मीदों की चिप

भारत ने टेक क्रांति की तरफ बढ़ते हुए पहला पूर्णत- स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित कर लिया है। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब इस कामयाबी की साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। जिनमें से एक पंजाब के मोहाली में स्थित है। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। यहां तक कि छोटा-सा देश ताइवान दुनिया के लगभग साठ फीसदी से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन कर रहा है। जिसमें करीब नब्बे फीसदी उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं। दरअसल, कोविड संकट के बाद आधुनिक तकनीक व उन्नत उपकरणों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर होड़ पैदा हो गई है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार पचास फीसदी पूंजीगत सहायता दे रही है। वहीं राज्य सरकारें कुल परियोजना लागत का बीस फीसदी प्रोत्साहन दे रही हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि सरकार इस मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी डीएलआई योजना के अगले फेज पर काम कर रही है।

जंक फूड को ना, पोषण को कहें हां

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (1-7 सितम्बर) पर विशेष)

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से सात सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2025 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने की आदतों के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है। पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं। अच्छे पोषण का उत्पादकता, आर्थिक विकास तथा अंततः राष्ट्रीय विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और अच्छा पोषण लोगों को स्वस्थ बनाए रखते हुए स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण भी करता है। इसीलिए नियमित शारीरिक गतिविधियों के साथ अच्छे पोषण को अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोषण का संबंध शरीर की आवश्यकतानुसार आहार के सेवन को माना गया है और कुपोषण को अपर्याप्त या असंतुलित आहार द्वारा खराब पोषण के रूप में परिभाषित किया गया है। अच्छे पोषण से स्वस्थ बच्चे बेहतर तरीके से सीखते हैं लेकिन आज के दूषित खानपान और फास्टफूड वाली जीवनशैली में कुपोषण खासकर विकासशील देशों की प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एक अनुमान के अनुसार दुनियाभर में एक तिहाई से भी ज्यादा बच्चों की मृत्यु में कुपोषण का बड़ा योगदान है और पूरी दुनिया में हर तीन कुपोषित बच्चों में से एक भारत में है। भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खासतौर से 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना अभी दूर की कौड़ी प्रतीत होता है। नीति आयोग की चौथी प्रगति रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि देश के 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों ने तो इस मद में आधे से भी कम फंड का इस्तेमाल किया। यदि हम वाकई देश को कुपोषण मुक्त राष्ट्र का दर्जा देना चाहते हैं तो उदासीनता की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना होगा।

हमारे भोजन में रंग और खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ जैसे कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषक तत्व नहीं होते लेकिन कार्बोज, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण, पानी इत्यादि प्रमुख पोषण तत्व हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो हमारा शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। भोजन के वे सभी तत्व, जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, पोषण तत्व कहलाते हैं। ये आवश्यक तत्व जब हमारे शरीर की आवश्यकतानुसार सही अनुपात में उपस्थित होते हैं, तब उसे सर्वोत्तम पोषण या समुचित पोषण की संज्ञा दी जाती है लेकिन जब पोषक तत्व शरीर में सही अनुपात में विद्यमान नहीं होते या उनके बीच में असंतुलन होता है तो वह कुपोषण कहलाता है यानी अधिक पोषण या कम पोषण दोनों को ही कुपोषण कहा जाता है। कम पोषण का अर्थ है आहार में किसी एक या एक से अधिक पोषण तत्वों की कमी और अधिक पोषण का अर्थ है एक या अधिक पोषक तत्वों की भोजन में अधिकता। शरीर में पोषक तत्वों की अधिकता और कमी दोनों ही समान रूप से हानिकारक हैं, शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन में उचित मात्रा में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति होनी चाहिए। पोषक तत्वों के संतुलन और असंतुलन को इसी से समझा जा सकता है कि जब कोई व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्र हो जाती है, जिससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो सकता है। पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला है और अच्छे पोषण के लिए जरूरी है कि फास्ट फूड के बजाय घर में बने पारंपरिक और पौष्टिक आहार के सेवन को ही प्राथमिकता दें, मुख्य आहार के स्थान पर स्नैक्स का सेवन करने से बचें, चीनी और अस्वस्थ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में करें, खाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छी तरह से धोएं और यथासंभव कच्चे फल-सब्जियों का सेवन करें क्योंकि पकाने से कई पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, कम से कम प्रसंस्करण आहार के साथ ताजा भोजन अवश्य करें।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

एकता में भाषा भी अवरोध

चिंतन मनन

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही आकर्षण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है।

भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकर्षण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं।

इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

विचार मंथन

प्राकृतिक आपदाएँ- विकास के नाम पर विनाश?

(लेखक - सनत जैन)

पिछले एक वर्ष में भारत सहित पूरी दुनिया के देशों में प्राकृतिक आपदाओं के कई भयावह दृश्य देखने में आये हैं। कभी बेमौसम बारिश और बाढ़ ने हजारों जिंदगियाँ लील लीं, तो कभी भूकंप और भू-स्खलन ने पलभर में बस्तियों को उजाड़ दिया। गांव के गांव जमीदोज हो गए। जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित विकास की नीतियाँ ने इन आपदाओं की तीव्रता को और बढ़ा दिया है। आँकड़े बताते हैं कि पिछले 1 वर्ष में भारत में बाढ़, चक्रवात और हीटवेव से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। हजारों लोग मारे गए हैं, हजारों करोड़ रुपयों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर-पूर्व के पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन की घटनाएँ तेजी के साथ बढ़ रही हैं। हिमालय की पहाड़ियों को काटकर बनाई जा रही सड़कों और सुरंगों से न केवल प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि इस क्षेत्र में रहने वाली स्थानीय आबादी का जीवन भी संकट में पड़ गया है। केदारनाथ आपदा की स्मृति अब भी ताजा है, फिर भी चारधाम परियोजना जैसे विकास कार्य प्रकृति के सौंदर्य एवं संवेदन शीलता को दरकिनार कर विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। इसी तरह, महानगरों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। शहरों में सीवर लाइन, नालों, तालाबों और जल निकासी के स्थान पर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण थोड़ी सी बारिश में शहर जलमग्न हो जाते हैं। भारत के शहरों की हालत बहुत खराब हो गई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद जैसे मेट्रोपोलियन सिटी एवं बड़े-बड़े शहरों में जल निकासी सही नहीं होने के कारण जल प्लावन से पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। बारिश का पानी जमीन के अंदर नहीं जा पता है, जिसके कारण भूमिगत जल का स्तर लगातार नीचे की ओर जा रहा है। बीते वर्ष में चक्रवात 'मोचा' और 'मिधुन' ने पूर्वी और पश्चिमी तटों पर भारी तबाही मचाई। लाखों लोग विस्थापित हुए, कृषि पर गहरा असर पड़ा, फसलें बड़ी मात्रा में खराब हुईं। वहीं मौसम में भीषण गर्मी और सूखे ने मध्य और दक्षिण भारत में पानी की कमी के संकट को बढ़ा दिया है। वैज्ञानिक विगत कई वर्षों से लगातार चेतावनी दे रहे हैं, प्रकृति के साथ यदि छेड़छाड़ इसी तरह से जारी रही, तो आने वाले वर्षों में ऐसी भीषण आपदाएँ और तेज गति से बढ़ेंगी। यदि हमने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधने का प्रयास गंभीरता के साथ नहीं किया तो वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ी को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। किसी भी तरह से इसकी भरपाई करना संभव नहीं होगी। विकास का अर्थ केवल चौड़ी सड़कों, ऊँची इमारतों और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए नहीं होना चाहिए। सच्चा विकास वही है, जो मानव जीवन की सुरक्षा, प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चले। तभी मानवीय सभ्यता और प्रकृति का विकास संभव है। आपदाओं से होने वाली जन-धन की जो हानि हुई है वह विकास की तुलना में कई गुना ज्यादा है। जो हमें यह सोचने पर मजबूर करती है। कहीं हम विकास की आड़ में स्वयं विनाश की ओर तो नहीं बढ़ रहे हैं? आवश्यक है, सरकारें दीर्घकालिक पर्यावरणीय नीतियाँ बनाएं और उनका कठोरता से पालन करें। स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाएं ताकि आपदा के समय लोगों के जान-माल की, रक्षा की जा सके। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और पारिस्थितिक क्षेत्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें समझना होगा कि प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि सामंजस्य से ही मानव जीवन और प्रकृति के सभी जीवों का अस्तित्व सुरक्षित रह सकता है। प्राकृतिक आपदाओं से मिली चेतावनी से स्पष्ट है, यदि हमने संतुलित विकास का रास्ता नहीं चुना तो आने वाली पीढ़ियों को और भी बड़े संकट का सामना करना पड़ेगा। भारत ही नहीं, दुनिया के सभी देशों में विकास के नाम पर जिस तरह से स्वयं के विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं, प्राकृतिक आपदाएं एक सबक की तरह हैं। ब्रह्मांड की कोई सीमा नहीं है। देशों की सीमा हो सकती है। पर्यावरण को लेकर यदि सारी दुनिया के देश इसी तरह की मनमानी करते रहे तो वह दिन दूर नहीं है जब हम स्वयं बहुत बड़े विनाश की ओर आगे बढ़ चुके होंगे, जहां से पीछे लौटना भी संभव नहीं होगा। ठंड, गर्मी, बरसात, भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखियों का सक्रिय होना, तूफान, खनिज संपदा का उत्खनन, हीटवेव इत्यादि के कारण पूरी दुनिया के देशों में प्राकृतिक आपदायें तेजी के साथ बढ़ रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्बन कंपनी का 1,900 करोड़ का आईपीओ 10 सितंबर से खुलेगा

नई दिल्ली । मोबाइल ऐप आधारित घरेलू एवं सौंदर्य सेवा मंच अर्बन कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 98 रुपए से 103 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का कुल मूल्यांकन 14,790 करोड़ रुपए के करीब आंका गया है। आईपीओ 10 से 12 सितंबर तक खुलेगा, जबकि एंकर निवेशक 9 सितंबर को बोली लगाएंगे। कंपनी नए शेयर जारी कर 472 करोड़ रुपए जुटाएगी, जबकि मौजूदा निवेशक 1,428 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। प्रमुख निवेशक एक्सेल इंडिया, बेसेमर इंडिया कैपिटल, एलिवेशन कैपिटल सहित अन्य शेयर बेचेंगे। आईपीओ से मिले पैसे का इस्तेमाल नई तकनीक, क्लाउड अवसंरचना, मार्केटिंग और कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। गुरुग्राम स्थित अर्बन कंपनी घरेलू सेवाओं में डिजिटल बदलाव ला रही है और निवेशकों के लिए अच्छा अवसर प्रस्तुत कर रही है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की आवास ऋण बाजार में हिस्सेदारी बढ़ी, निजी बैंक पीछे

मुंबई । अप्रैल-जून तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने आवास ऋण बाजार में अपनी हिस्सेदारी में बड़ी बढ़ोतरी की है। क्रिफ हाई मार्क की रिपोर्ट के अनुसार, जून 2025 तक पीएसबी की हिस्सेदारी 46.2 प्रतिशत पहुंच गई, जो पिछले वर्ष इसी महीने 37.6 प्रतिशत थी। इसके विपरीत, निजी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी 35.2 प्रतिशत से घटकर 28.2 प्रतिशत रह गई। निजी बैंक स्थिरता की कमी और उच्च ब्याज दरों की शिकायत करते रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के आवास ऋणों में डिफ़ॉल्ट की दर 2.85 प्रतिशत है, जबकि निजी बैंकों में यह केवल 1.04 प्रतिशत है। यह दर्शाता है कि पीएसबी ने बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाई है, पर उन्हें डिफ़ॉल्ट की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका और भारत के बीच व्यापार लंबे समय से एकतरफा रहा- ट्रंप

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में भारत पर लगाए गए 50 फीसदी आयात शुल्क का कड़ा बचाव किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार लंबे समय से एकतरफा रहा है, जिसमें भारत ने अमेरिकी सामानों पर भारी शुल्क लगाया जबकि अमेरिकी बाजार में भारतीय सामान आसानी से प्रवेश कर जाते थे। ट्रंप ने बताया कि भारत ने कई उत्पादों पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाया है, जिससे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने हालें डेविडसन मोटरसाइकिल का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले उस पर भारत में 200 फीसदी तक शुल्क था, जिससे अमेरिकी उत्पाद महंगे और अप्रतिस्पर्धी हो गए। कंपनी ने बाद में भारत में उत्पादन शुरू कर दिया ताकि भारी शुल्क से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के कारण अमेरिकी कंपनियों के लिए व्यापार करना कठिन हो गया है, जबकि भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार खुला रहा। ट्रंप ने आरोप लगाया कि भारत अधिकांश तेल और सैन्य सामान रूस से खरीदता है और अमेरिका से बहुत कम खरीदता है, जिससे अमेरिका के लिए अवसर कम हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कई कंपनियां चीन, मेक्सिको और कनाडा से अमेरिका आ रही हैं ताकि वे शुल्क से बच सकें और अमेरिकी प्रोत्साहनों का लाभ उठा सकें। वहीं, भारत ने अमेरिका के शुल्क को अनुचित और असंगत बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार किसानों, छोटे उद्योगों और पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं करेगी।

सोने-चांदी की कीमतों ने बनाया नया रिकॉर्ड

- सोना 1,06,199 प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,25,249 प्रति किलो

नई दिल्ली ।

घरेलू वायदा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों ने नए रिकॉर्ड बनाए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर वायदा सोना 1,06,199 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच गया, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। सुबह के कारोबार में यह कॉन्ट्रेक्ट 407 की तेजी के साथ खुला और खबर लिखे जाने तक 1,06,060 रुपए पर कारोबार कर रहा था। सोने के दामों में लगातार हो रही तेजी के पीछे वैश्विक अनिश्चितता, डॉलर में कमजोरी और सुरक्षित निवेश के प्रति बढ़ती मांग को कारण माना जा रहा है। इस महीने अब तक सोने ने 1,06,199 रुपए का नया शिखर छू लिया है। दूसरी ओर, चांदी के दामों में मंगलवार को रिकॉर्ड तेजी के बाद आज थोड़ी नरमी देखी गई। एमसीएक्स पर दिसंबर वायदा चांदी 89 रुपए की गिरावट के साथ 1,24,441 प्रति किलो पर खुली। दिन के दौरान यह 1,24,432 रुपए के स्तर तक फिसल गई। हालांकि इस महीने इसका उच्चतम स्तर 1,25,249 रुपए रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी मजबूत स्थिति में हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,600 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 3,597.20 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इसने साल का उच्चतम स्तर

3,616.90 डॉलर छू लिया है। वहीं, चांदी 41.15 डॉलर पर खुलकर 41.26 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बनी रही तो सोने-चांदी की कीमतों में और तेजी देखी जा सकती है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.06 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे की बढ़त के साथ 88.00 के स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को रुपया अपने अब तक के सर्वकालिक निचले स्तर 88.15 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया आज 88.15 पर खुला और बाद में 88.00 तक मजबूत हुआ। हालांकि, विदेशी निवेशकों द्वारा पूंजी निकासी और वैश्विक बाजारों में डॉलर की मजबूती के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। डॉलर सूचकांक, जो डॉलर की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले स्थिति को दर्शाता है, 0.09 फीसदी की बढ़त के साथ 98.48 पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि निकट भविष्य में डॉलर की चाल और विदेशी निवेश की दिशा रुपये की स्थिति तय करेगी। बाजार सहभागियों की नजर अब अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और फेडरल रिजर्व की नीति पर टिकी है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त में 15 साल के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली ।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त 2025 में 15 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से मांग की बेहतर स्थिति और नए ऑर्डर तथा उत्पादन में तेजी से हुई बढ़ोतरी के कारण संभव हुई है। एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई के 60.5 से बढ़कर अगस्त में 62.9 हो गया। यह जून 2010 के बाद सेवा क्षेत्र में विस्तार की सबसे तेज दर को दर्शाता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार और 50 से नीचे अंक का मतलब संकुचन होता है। सर्वेक्षण के अनुसार अगस्त में मांग में उल्लेखनीय सुधार ने नए ऑर्डर और गतिविधियों को 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया। इसके साथ ही, उत्पादन शुल्क में भी जुलाई 2012 के बाद सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। मुद्रास्फीति की दर नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिससे कीमतों में तेजी आई। एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक जुलाई के 61.1 से बढ़कर अगस्त में 63.2 हो गया, जो 17 वर्षों में सबसे तेज विस्तार का संकेत है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि यह सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में व्यापक उत्पादन वृद्धि को दर्शाता है। इस सर्वेक्षण में लगभग 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के जवाबों को शामिल किया गया है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का संकेत देते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 410, निफ्टी 135 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही लिवाली (खरीदारी) बढ़ने से बाजार बढ़त पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 409.83 अंक की तेजी के साथ ही 80,567.71 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.45 अंक बढ़कर 24,715.05 पर बंद हुआ हालांकि आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 368.10 अंक की तेजी के साथ 57,345.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157.15 अंक की मजबूती के साथ 17,748.45 पर था। सेक्टोरल आधार पर मेटल, पीएसयू बैंक, फार्मा, कमोडिटीज और ऑटो शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। केवल आईटी और मीडिया शेयरों में ही गिरावट दर्ज की गयी।

सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो टाटा स्टील, टाइटन, एमएंडएम, आईटीसी, इटरनल, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। इन्फोसिस, एनटीपीसी, एचयूएल, टीसीएस, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

बाजार में बढ़त के पीछे जीएसटी स्लैब को संभावित रूप से तर्कसंगत बनाने की संभावना भी है। उससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। जीएसटी परिषद की बैठक आज से शुरू हो गई है और शुक्रवार को इसके फैसलों की घोषणा होगी। इसमें दरों में कमी की संभवना है। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजारों की शुरुआत अच्छी रही पर जल्द ही बाजार नीचे आ गया। सेंसेक्स 100 अंकों की बढ़त के साथ 80,295.99 पर खुला पर थोड़ी ही देर में यह 32.41 अंक नीचे आकर 80,190.29 पर आ गया। इसी तरह निफ्टी ने 24,616 के स्तर से शुरुआत की पर इसके बाद यह मामूली 2.05 अंकों की गिरावट के साथ 24,593 पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर आज वैश्विक स्तर पर भी बाजारों में गिरावट रही। अमेरिका के डाउ जोंस, एसएंडपी 500 और नैस्डैक मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। वॉल स्ट्रीट पर मंगलवार को गिरावट के बाद बुधवार सुबह एशियाई बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को लेकर नई चिंताओं के कारण सेंटीमेंट्स प्रभावित हुए। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.5 फीसदी, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.35 फीसदी गिरावट में रहा और दक्षिण कोरिया का कोस्पी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग स्थिर रहा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.55 फीसदी गिरा, एसएंडपी 500 0.69 फीसदी कमजोर हुआ और टेक-हैवी नैस्डैक कंपोजिट 0.82 फीसदी नीचे गया।

युवा निवेशकों के लिए सही समय से ज्यादा जरूरी है समझ और अनुशासन

मुंबई ।

अधिकांश लोग सोचते हैं कि निवेश का सही समय पकड़कर बड़ा फायदा उठाया जा सकता है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यह सोच हमेशा सही नहीं होती। बाजार के उतार-चढ़ाव का सही अनुमान लगाना मुश्किल है। सही समय का इंतजार करते-करते कई मौके निकल सकते हैं। इसलिए नियमित और लॉन्ग टर्म निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। एक बाजार` विशेषज्ञ बताते हैं कि निवेश में सबसे जरूरी है स्पष्ट फाइनेंशियल गोल बनाना। इससे खर्च और निवेश की योजना बनाना आसान होता है। इसके अलावा, 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड बनाना अनिवार्य है, ताकि अचानक आने वाली वित्तीय जरूरतों को आसानी से पूरा किया जा सके। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाएगा, उतना ही कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। समय के साथ निवेश की कीमत बढ़ती है और यह लंबी अवधि में धन संचित करने का सबसे अच्छा तरीका है। अक्सर लोग बिना रिसर्च किए दोस्तों या रिश्तेदारों की सलाह पर निवेश कर लेते हैं, जो नुकसानदेह साबित हो

सकता है। कई बार सलाहकारों का मकसद कमीशन कमाना होता है, इसलिए खुद समझकर और शोध करके ही निवेश करें। निवेश को विभिन्न माध्यमों में फैलाना यानी डाइवर्सिफिकेशन, बाजार गिरने पर नुकसान को कम करता है। युवा निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड जैसे प्रोफेशनल और डाइवर्सिफाइड निवेश उत्पाद सबसे बेहतर विकल्प हैं, जो सुरक्षित और कम जोखिम वाले होते हैं।

टीबीओ टेक क्लासिक वेकेशंस का अधिग्रहण करेगी

मुंबई ।

यात्रा वितरण प्लेटफॉर्म टीबीओ टेक ने अमेरिका स्थित लक्जरी ट्रैवल कंपनी क्लासिक वेकेशंस का अधिग्रहण करने के लिए द नजफी कंपनीज के साथ समझौता किया है। यह कदम टीबीओ टेक के लिए उत्तरी अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। क्लासिक वेकेशंस की अधिग्रहण प्रक्रिया फीनिक्स स्थित निवेश कंपनी द नजफी कंपनीज के माध्यम से पूरी हुई है, जिन्होंने 2021 में एक्सपीडिया ग्रुप से क्लासिक वेकेशंस को खरीदा था। टीबीओ टेक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी की विकास रणनीति को आगे बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि टीबीओ क्लासिक वेकेशंस को अपनी प्रणाली के साथ एकीकृत करेगा और भविष्य में इसी तरह के रणनीतिक गठबंधनों के लिए तैयार रहेगा। अंकुश ने इस अधिग्रहण को टीबीओ की वैश्विक विस्तार योजना के हिस्से के रूप में देखा है। क्लासिक वेकेशंस की सीईओ ने बताया कि टीबीओ के साथ मिलकर वे क्लासिक वेकेशंस को लक्जरी यात्रा के क्षेत्र में एक प्रमुख साझेदार के रूप में मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से कंपनी की वैश्विक पहुंच और ग्राहकों तथा आपूर्तिकर्ताओं के साथ संबंध और भी मजबूत होंगे।

अगस्त में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कुल 34,236 यूनिट्स बेचीं

नई दिल्ली ।

अगस्त 2025 में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कुल 34,236 यूनिट्स बेचीं, जिनमें से 29,302 यूनिट्स घरेलू बाजार और 4,934 यूनिट्स एक्सपोर्ट के लिए थीं। कंपनी ने अपने बिक्री के आंकडे हाल ही में जारी कर दिए। कंपनी द्वारा जारी यह आंकड़ा पिछले साल अगस्त की बिक्री की तुलना में 11प्रतिशत ज्यादा है। जनवरी से अगस्त 2025 तक, कंपनी ने कुल 2,41,696 यूनिट्स बेचीं, जो 2024 की इसी अवधि की तुलना में 14 प्रतिशत ज्यादा है। इसका श्रेय कंपनी की बेस्ट-सेलिंग एमपीवी इनोवा को जाता है, जिसने लगातार 20 सालों से भारतीय ग्राहकों का भरोसा जीता है और अब तक 12 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। टोयोटा के वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर वाधवा ने कहा कि ग्राहकों का

विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है और फेस्टिव सीजन में कंपनी और भी वैल्यू-एडेड सेवाएं लेकर आएगी। इसके अलावा, टोयोटा ने हाल ही में अर्बन क्रूजर टैसोर का नया अपडेटेड वर्जन लॉन्च किया है, जिसमें ब्ल्यूइस ब्लेक कलर और सभी वेरिएंट्स में स्टैंडर्ड 6 एयरबैग्स दिए गए हैं। वहीं, कंपनी ने अपनी लक्ज़री सेडान कामरी हायब्रिड का नया स्प्रींट एडिशन भी पेश किया है, जो और भी स्पोर्टी लुक में आता है। टोयोटा का मेक-इन-इंडिया फोकस भी साफ नजर आ रहा है। कंपनी ने कामाराजार पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) के साथ नया समझौता किया है ताकि भारत से एक्सपोर्ट को और बढ़ाया जा सके।

एनलॉन हेल्थकेयर की बाजार में धीमी लेकिन स्थिर शुरुआत

नई दिल्ली ।

एनलॉन हेल्थकेयर लिमिटेड के शेयरों ने बुधवार को शेयर बाजार में धीमी शुरुआत की। कंपनी के शेयर बीएसई पर 91 रुपए के निर्गम मूल्य पर सूचीबद्ध हुए, जबकि एनएसई पर यह एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 92 रुपए पर लिस्ट हुआ। लिस्टिंग के समय कंपनी का बाजार पूंजीकरण 487.93 करोड़ रुपए रहा। कंपनी के 121 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और अंतिम दिन तक इसे 7.12 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। आईपीओ का मूल्य दायरा 86 से 91 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था।

हालांकि लिस्टिंग प्रीमियम सीमित रहा, लेकिन मजबूत सब्सक्रिप्शन यह दर्शाता है कि निवेशकों में कंपनी को लेकर

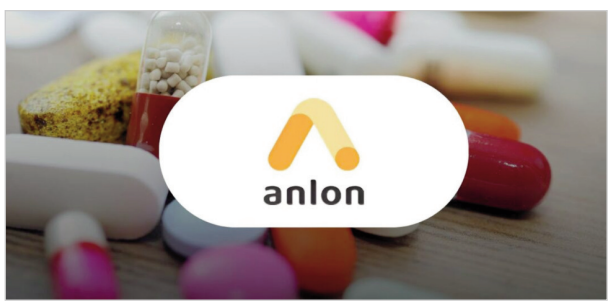

विश्वास है। आगे की कीमतों पर नज़र रखने से निवेशकों को स्पष्ट रणनीति बनाने में मदद मिल सकती है।

भारत में सैमसंग का नया गैलेक्सी एफ17 5जी होगा लॉन्च

नई दिल्ली ।

सैमसंग जल्द ही भारत में अपना नया गैलेक्सी एफ17 5जी लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी शुरुआती कीमत 14,990 रुपये होगी। यह डिवाइस 6 साल तक ओएस और सिक्योरिटी अपडेट देने का वादा करता है। गैलेक्सी एफ17 5जी में 6.67-इंच का सुपर अमोलेड डिस्प्ले होगा, जिसमें फुल एचडी प्लस रिज़ॉल्यूशन और 120एचझेड रिफ्रेश रेट मिलेगा। यह गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग पसंद करने वालों के लिए बेहतरीन अनुभव देगा। फोन में एक्सीनोस 1330 चिपसेट होगा, जो 5जी कनेक्टिविटी और स्मूद परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। कैमरे की बात करें तो इसमें ट्रिपल कैमरा सेटअप होगा। 50एमपी का प्राइमरी कैमरा, 13एमपी अल्ट्रा-वाइड और 2एमपी मैक्रो लेंस के साथ, यह शानदार फोटोग्राफी का अनुभव देगा। वहीं, सेल्फी के लिए 32एमपी का फ्रंट कैमरा मिलने की उम्मीद है। फोन में 5000एमएएच की बैटरी होगी, जो 25वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी।

सैमसंग इस फोन को एंड्राएड 15 आधारित वनयूआई वन यूआई 7 पर लॉन्च करेगा। गोरिल्ला ग्लास प्रोटेक्शन के साथ आने वाला यह फोन डिज़ाइन में भी आकर्षक होगा। इसकी बिक्री फ्लीपकार्ट सैमसंग की ऑफिशियल वेबसाइट और रिटेल स्टोर्स पर होगी। कंपनी का लक्ष्य उन यूजर्स को आकर्षित करना है जो कम बजट में भी एक फीचर-पैक्ड 5जी स्मार्टफोन चाहते हैं।

बीते महीने बजाज ऑटो ने की कुल 4,17,616 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो के लिए अगस्त 2025 का महीना काफी अच्छा रहा। बजाज ऑटो कंपनी ने इस महीने कुल 4,17,616 यूनिट्स की बिक्री की। यह बिक्री पिछले साल अगस्त 2024 की तुलना में 5प्रतिशत ज्यादा है।

हालांकि, इस बढ़त का मुख्य कारण ओवरसीज मार्केट रहा, क्योंकि घरेलू मार्केट में अभी भी सुस्ती देखने को मिली। टू-व्हीलर सेगमेंट में कंपनी ने 3,41,887 यूनिट्स बेचीं, जो सालाना आधार पर सिर्फ 2प्रतिशत ज्यादा रही। वहीं, घरेलू बिक्री 12प्रतिशत घटकर 1,84,109 यूनिट्स पर आ गई।

लेकिन एक्सपोर्ट्स ने इस गिरावट की भरपाई कर दी। कंपनी ने अगस्त में 1,57,778 यूनिट्स एक्सपोर्ट किए, जो 25प्रतिशत की जोरदार बढ़त है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट ने बजाज के लिए और भी बेहतर प्रदर्शन किया।

इस श्रेणी में कुल बिक्री 21प्रतिशत बढ़कर 75,729 यूनिट्स पर पहुंच गई। खासतौर पर एक्सपोर्ट्स में 58प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली, जो 27,440 यूनिट्स तक पहुंच गई। वहीं, घरेलू बाजार में भी 7प्रतिशत बढ़त दर्ज हुई और बिक्री 48,289 यूनिट्स रही। विशेषज्ञों का मानना है कि फेस्टिव सीजन आने से कंपनी की घरेलू बिक्री में भी सुधार होगा।

वीवो एक्स300स्मार्टफोन अक्टूबर में होगा लॉन्च

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी वीवो ने फ्लैगशिप सीरीज़ वीवो एक्स300 स्मार्टफोन अक्टूबर में लॉन्च होगा। यह दुनिया का पहला फोन होगा जिसमें डायमेंसिटी 9500 चिपसेट दिया जाएगा। वीवो एक्स300 का सबसे बड़ा हाइलाइट इसका कैमरा सेटअप है। इसमें 200एमपी का प्राइमरी कैमरा होगा, जो खासतौर पर वीवो के लिए तैयार किया गया सैमसंग एचपीबी सेंसर है। यह सेंसर 23एमएम अल्ट्रा-क्लियर आउटपुट और 50एमएम हाई-रेज़ॉल्यूशन शॉट्स को सपोर्ट करता है। इसमें झेसिस टी कोटिंग और ब्लू ग्लास भी है, जिससे फोटो की क्वालिटी और भी बेहतर हो जाती है। इसके अलावा फोन में 50एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 50एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस मिलेगा। पेरिस्कोप लेंस में सोनी आईएमएक्स 885 सेंसर और 3एक्स ऑप्टिकल जूम होगा, जो मैक्रो फोटोग्राफी को भी सपोर्ट करेगा। लीक के मुताबिक वीवो एक्स300 प्रो वेरिएंट में 200एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो, 50एमपी अल्ट्रा-वाइड और 50एमपी प्राइमरी कैमरा का और भी एडवांस सेटअप मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विराट कोहली लंदन में फिटनेस टेस्ट देने वाले एक मात्र भारतीय, बीसीसीआई पर उठे सवाल

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने लंदन में अपना फिटनेस टेस्ट करवाया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कथित तौर पर सीनियर बल्लेबाज को विशेष छूट देते हुए उन्हें लंदन में अनिवार्य फिटनेस टेस्ट देने की अनुमति दे दी है, जबकि बाकी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों ने पिछले हफ्ते बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में टेस्ट के लिए रिपोर्ट किया था।

इस साल के अंत में शुरू होने वाले व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सीजन से पहले किए जा रहे फिटनेस आकलन में रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज जैसे शीर्ष खिलाड़ियों का 29 अगस्त को BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मूल्यांकन किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार कोहली को लंदन में निगरानी में अपना फिटनेस टेस्ट देने की अनुमति दी गई, यह एक ऐसा फैसला है जिसने सभी खिलाड़ियों के लिए आमतौर पर अपेक्षित एक समान प्रोटोकॉल को देखते हुए लोगों को चौंका दिया।

कोहली टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं, केवल एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध हैं और अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम का हिस्सा होने की उम्मीद है। BCCI के फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोचों की टीम ने बोर्ड को व्यक्तिगत फिटनेस रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कोहली का लंदन स्थित मूल्यांकन भी शामिल था।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि BCCI के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मानक प्रक्रिया से विचलन पर सीधे तौर पर बात नहीं की, लेकिन पुष्टि की कि कोहली ने विदेश में परीक्षण कराने के लिए 'पूर्वानुमति ली होगी'। हालांकि इस घटना ने इस बात पर एक शांत बहस को जन्म दिया है कि क्या भविष्य में अन्य खिलाड़ियों को भी इसी तरह की छूट दी जा सकती है, खासकर उन खिलाड़ियों को जो विदेश में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं या भारत के बाहर व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के साथ हैं।

परीक्षण का पहला चरण मुख्य रूप से आधारभूत शक्ति और रिकवरी पैटर्न पर केंद्रित था। फिटनेस टेस्ट पूरा करने वाले खिलाड़ियों में कोहली के अलावा रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और संजू सैमसन जैसे स्थापित नाम शामिल हैं, साथ ही रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह जैसी उभरती हुई प्रतिभाएँ भी शामिल हैं। हालांकि अधिकांश खिलाड़ी आवश्यक फिटनेस मानदंडों पर खरे उतरे,

लेकिन कुछ खिलाड़ियों का चल रही कंडीशनिंग या कार्यभार प्रबंधन के कारण आंशिक मूल्यांकन ही हुआ। परीक्षण का दूसरा चरण सितंबर में निर्धारित है और इसमें वे खिलाड़ी शामिल होंगे जो वर्तमान में पुनर्वास या ÷खेल में वापसी÷ चरण में हैं। केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और नितीश रेड्डी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनका अगले महीने मूल्यांकन होने की उम्मीद है।

ध्रुव जुरेल को हुआ डेंगू, बड़े घरेलू टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र के कप्तान बनाए गए ध्रुव जुरेल डेंगू से पीड़ित होने के कारण दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। मध्य क्षेत्र के ध्रुव जुरेल 4 सितंबर से पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टीम के कप्तान बनाए गए इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कमर में दर्द के कारण क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था। अब जुरेल के बीमारी के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है।

मध्य क्षेत्र के मुख्य कोच उस्मान गनी ने दावा किया है कि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं और इसलिए दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने बताया कि अक्षय वाडकर को विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह टीम में शामिल किया गया है। जुरेल की अनुपस्थिति में रजत पाटीदार ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन की कप्तानी की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जुरेल अपनी कमर की चोट के कारण सेमीफाइनल से बाहर रहेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं है।

विदर्भ और सेंट्रल जोन के मुख्य कोच उस्मान गनी ने कहा, 'हां, वाडकर को सेंट्रल ज़ोन टीम में शामिल किया गया है क्योंकि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं। वह अगले मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं और हमें टीम में एक और विकेटकीपर की जरूरत थी।'

जुरेल आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में नजर आए थे, जहां उन्होंने चोटिल ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की थी। जुरेल के अलावा, कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है क्योंकि वह एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगे।

मध्य क्षेत्र की अपडेटिड टीम

रजत पाटीदार (कप्तान), अक्षय वाडकर, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद

स्टैंडबाय : माधव कौशिक, युवराज चौधरी, महिपाल लोमरोर, कुलदीप सेन, उपेंद्र यादव

आईसीसी एकदिवसीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे जिम्बाब्वे के रजा

-एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन, टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में पंड्या शीर्ष पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय रैंकिंग में जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। रजा के अब 302 रेटिंग अंक हैं। रजा ने अफगानिस्तान के ऑलराउंडरों अजमतुल्लाह उमरजई 296 अंक और मोहम्मद नबी 292 अंक को पीछे छोड़ा। अब उमरजई दूसरे और नबी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। रजा ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 92 और नाबाद 59 रनों के अलावा एक विकेट भी लिया था। इससे रजा को बल्लेबाजी रैंकिंग में भी नौ स्थान का लाभ हुआ है और वह 22वें स्थान पर चले गए हैं। एकदिवसीय मैचों की सीरीज के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। पथुम निसांका 654 अंक लेकर बल्लेबाजी रैंकिंग में सात स्थान ऊपर आकर 13वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सीरीज में 122 और 76 रन बनाये। वहीं जनिथ लियानागे 13 स्थान के लाभ के साथ ही 29वें स्थान पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर गेंदबाजी रैंकिंग में असिथ फर्नांडो छह पायदान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर और दिलशान मदुशंका आठ स्थान ऊपर आकर 52वें स्थान पर आ गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज नंबर-1 एकदिवसीय गेंदबाज बने हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में चार विकेट लेने के बाद 31 रेटिंग अंकों की बढ़त के साथ ही कुल 690 अंक हासिल किये हैं। वहीं भारतीय टीम के शुभमन गिल एकदिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। शुभमन के 784 अंक हैं। वहीं टी20 रैंकिंग में भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या 252 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं।

दलीप ट्रॉफी : आज से शुरू होगा सेमीफाइनल, इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

बेंगलुरु (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की तरफ से मध्य क्षेत्र के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेंगे। अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया लेकिन वह यहां सत्र की शानदार शुरुआत करके वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला तथा उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले खुद को दावेदारी में बनाए रखना चाहेंगे।

अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में पंजाब किंग्स के लिए 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह एशिया कप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए। उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा पश्चिम क्षेत्र को भी मिलेगा। जहां तक जायसवाल का सवाल है तो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर दी है लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह राष्ट्रीय चयन समिति की पहली की पसंद नहीं हैं। वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले लाल गेंद की क्रिकेट में अपना

अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे।

जायसवाल का आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट था और उन्हें अगला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना पड़ सकता है। दूसरी ओर ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहने के लिए वह अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

पश्चिम क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे रुतुराज गायकवाड़ और तनुश कोटियन अभी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय चयन समिति का ध्यान खींचना चाहेंगे। जहां तक मध्य क्षेत्र का सवाल है तो ध्रुव जुरेल अगर कमर की चोट से उबर जाते हैं तो वह टीम की कमान संभाल सकते हैं। यह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाया था। जुरेल के बिना भी उनकी बल्लेबाजी दमदार रही, क्योंकि कार्यवाहक कप्तान रजत पाटीदार, दानिश मालेवार और शुभम शर्मा ने बड़े शतक जड़े। उनके पास बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे तथा तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के रूप में मजबूत गेंदबाजी इकाई भी है।

एक अन्य सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र का मुकाबला दक्षिण क्षेत्र से होगा। दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल है और इसलिए इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसके अलावा दक्षिण क्षेत्र को तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार और बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर की भी कमी खलेगी जो चोटिल हैं। इसलिए दक्षिण क्षेत्र को उत्तर क्षेत्र की चुनौती से निपटने के लिए एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल और सलमान निजार जैसे खिलाड़ियों से अच्छे स्कोर की आवश्यकता होगी। उत्तर क्षेत्र को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा की कमी खलेगी जो एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। उत्तर क्षेत्र की बल्लेबाजी का दारोमदार आयुष बडोनी और कप्तान अंकित कुमार पर रहेगा।

अश्विन ये मशहूर टी20 लीग खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे, बोर्ड से बाचचीत जारी

नई दिल्ली । रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद IPL से भी संन्यास ले लिया है जिससे उनके विदेशी लीग्स में खेलने के रास्ते खुल गए हैं। अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संभावना है कि पूर्व भारतीय स्पिनर बिग बैश लीग के अगले सीजन में खेलते नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग पिछले हफ्ते IPL से संन्यास की घोषणा के बाद से ही इस अनुभवी ऑफ स्पिनर के बिग बैश लीग में खेलने की संभावना को लेकर उनके संपर्क में हैं। ग्रीनबर्ग एक 'चैंपियन क्रिकेटर' और अश्विन जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी के बीबीएल में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। ग्रीनबर्ग ने कहा, 'अश्विन जैसी योग्यता वाले किसी खिलाड़ी का BBL के लिए यहां आना कई स्तरों पर शानदार होगा। वह एक चैंपियन क्रिकेटर हैं जो बिग बैश और हमारे क्रिकेट समर में बहुत कुछ लेकर आएंगे।' अगर यह सौदा हो जाता है तो अश्विन BBL में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे। 38 वर्षीय अश्विन ने अपने 14 साल के करियर में 287 मैचों में 765 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। अश्विन ने पहले सोशल मीडिया पर आईपीएल से संन्यास लेने के अपने फैसले के बारे में पोस्ट किया था, क्योंकि उन्होंने इस धन-संपन्न टूर्नामेंट में 221 मैचों में से केवल पाँच मैच खेले थे।

कृष्णा बोले, मैंने तारीफ की थी पर बेवजह भड़क गये थे रुट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के दौरान उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट की तारीफ की थी पर उसे गलत समझ लिया गया। कृष्णा के अनुसार वह समझ नहीं पाये कि रुट इतने गुस्से में क्यों आ गये थे, इस मैच में रूट और कृष्णा के बीच काफी बहस हुई थी। कृष्णा ने इसी को लेकर से कहा, ''मुझे नहीं पता कि रूट क्यों भड़क गये दी। मैंने तो बस इतना कहा था, 'आप अच्छे लग रहे हो' और इसी से बात बिगड़ गयी। मैंने कई खिलाड़ियों से बात की। मैंने रूट से भी बात की। मैंने पूछा क्या हुआ था तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगा तुमने मुझे गाली दी'। मैंने कहा, 'नहीं, मैंने तो ऐसा कुछ नहीं कहा था'। रूट ने फिर कहा, 'असल में मैं अपने को भी प्रेरित करने की कोशिश कर रहा था, इसलिए बात बढ़ गयी थी।'' वहीं कृष्णा ने कहा, ''मैं हमेशा से इसे इसी तरह खेलता आया हूं। हर किसी को खासकर उनके जैसे दिग्गज को आज भी अपना सब कुछ झोंकते और टीम के लिए संघर्ष करते देखकर अच्छा लगता है। आप मैच जीतने के लिए मैदान में जाते है। इसके लिए कभी-कभी आपको कौशल से ज्यादा की जरूरत होती है। उस सफर का हिस्सा बनने के लिए मानसिक मजबूती की जरूरत होती है।'' कृष्णा ने इंग्लैंड में तीन टेस्ट मैच खेले और इनमें कुल 14 विकेट लिए। वहीं रुट ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 500 से ज्यादा रन बनाये हैं।

भारत के प्रणव नें जीता फुजेराह ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप का खिताब

फुजेराह , यूएई (एजेंसी)। फुजेराह ग्लोबल शतरंज चैंपियनशिप के सुपर स्टार्स वर्ग का खिताब भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी प्रणव वी नें अपने नाम कर लिया है। प्रणव नें अंतिम राउंड में पहले बोर्ड पर स्पेन के ग्रांड मास्टर एलन पीचोट को एक शानदार हाथी के एंडगेम में पराजित करते हुए 7 अंक बनाकर शानदार अंदाज में यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया है । इसके साथ ही प्रणव नें अपनी लाइव रेटिंग में 28 अंक जोड़ते 2631 की अपने खेल जीवन की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुँच गए है । साथ ही उन्होने 17.6 फीडे सर्किट अंक भी हासिल कर लिए है । पहले पुरुस्कार के तौर पर प्रणव नें 23000 डॉलर भी अपने नाम किए ।

शीर्ष 10 के सभी बोर्ड पर हर बाजी का अपना महत्व था क्यूंकी हर परिणाम शीर्ष 10 के खिलाड़ियों को तय करने वाला था । दूसरे बोर्ड पर ईरान के अमीन तबातबाई को जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर डोनचेंको नें ड्रॉ पर रोका तो ब्रांडोन नें आज

तीसरे बोर्ड पर शीर्ष वरीय भारत के निहाल सरीन से बाजी ड्रॉ खेली वहीं चौथे बोर्ड पर हंगरी के सनन सुज़िगोव को यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा नें ड्रॉ पर रोक लिया वही इन तीनों ड्रॉ का फायदा मिला मेक्सिको के होस एडुयार्डो मार्टिनेज को जिन्होने यूएसए के सैम शंकलंद को पराजित करते हुए शीर्ष तीन में अपना स्थान पक्का कर लिया

6 अंको पर तीन खिलाड़ियों के बीच टाई की स्थिति थी जिसमें बेहतर टाईब्रेक के आधार पर यूएसए के ब्रांडोन जेकोब्सन नें दूसरा , मेक्सिको के होस एडुयार्डो मार्टिनेज नें तीसरा और ईरान के अमीन तबातबाई नें चौंथा स्थान अपने नाम किया । इन खिलाड़ियों को क्रमशः 13 हजार , 9 हजार और 8 हजार डॉलर जीते ।

प्रतियोगिता में एक मात्र महिला खिलाड़ी चीन की जू जिनर नें अंतिम राउंड में एक बार फिर शानदार खेल दिखाया और बुल्गारिया के इवान चेपारिनोव को पराजित करते हुए 5.5 अंको पर सबसे बेहतर टाईब्रेक के साथ पाँचवाँ स्थान अपने नाम किया और साथ ही 7000 डॉलर का पूरुस्कार भी अपने नाम कर लिया ।

अन्य खिलाड़ियों नें टाईब्रेक के आधार पर भारत के आदित्य मित्तल ,जर्मनी के अलेक्ज़ेंडर डोनचेंको, हंगरी के सनन सुज़िगोव ,यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा और चीन के लू शांगलाई दसवें स्थान पर रहे ।

मास्टर्स वर्ग में यूएसए के ब्रेविंगटन हार्डवे नें 7.5 अंको के साथ पहला स्थान हासिल किया तो 7 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर टर्की के अता उमूत अकबस दूसरे और ईरान के आर्तिन अशरफ तीसरे स्थान पर रहे । वहीं 7 ही अंको पर भारत के कार्तिक वेंकटरामन चौंथे और ईरान के रेज़ा महादवी पांचवें स्थान पर रहे ।

एशिया कप में फिर कुलदीप की हो सकती है उपेक्षा : मनिंदर

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर मनिंदर सिंह ने कहा है कि बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की लगातार उपेक्षा हो रही है। मनिंदर को लगता है कि ऐसे में एशिया कप में भी उन्हें खेलने का अवसर शायद ही मिले। इसका कारण है कि टीम प्रबंधन अक्सर ऐसे गेंदबाजों को वरीयता देता है जो बल्ले से भी योगदान दे सकें। इस पूर्व स्पिनर ने कहा है कि कुलदीप को टीम में शामिल न करने के कारण ही भारतीय टीम इंग्लैंड में सीरीज़ नहीं जीत पायी। इस पूर्व स्पिनर का मानना है कि अगर कुलदीप टीम में होते तो भारतीय टीम टेस्ट सीरीज जीतती। मनिंदर ने कहा, अगर कुलदीप इंग्लैंड में खेलते, तो भारत 3-1 से जीत जाता। उन्होंने कहा कि हमने जिन गेंदबाजों को चुना था, उनके साथ चौथी पारी में 371 रनों का पीछा करना हमेशा से ही संभव था पर कुलदीप के साथ चीजें अलग होतीं। हमारा चयन जीत के बजाय हार न मानने पर था। अगर हमें जीतना होता, तो कुलदीप हर टेस्ट खेलते। विश्व क्रिकेट में उनके जैसे खिलाड़ी कम ही मिलते हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज उनकी गुगली या लेग-ब्रेक को समझ नहीं पाते। उस पहले टेस्ट में अगर कुलदीप चौथे और पांचवें दिन गेंदबाजी कर रहे होते, तो उनके पास 371 रनों का पीछा करने का कोई मौका नहीं होता। इस पूर्व स्पिनर कहा कि इसी को देखते हुए एशिया कप में भी कुलदीप को अंतिम ग्यारह में शामिल किये जाने की कम ही उम्मीदें हैं। ऐसे में प्रबंधन उनकी जगह अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती को अवसर दे सकता है।

दक्षिण अफीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में हारी इंग्लैंड, डेब्यू मैच में फ्लॉप रहे बेकर

हैडिंग्ले । इंग्लैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए इंग्लैंड की टीम 24.3 ओवर में केवल 131 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 18.1 ओवर में ही 121 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में डेब्यू करने वाले इंग्लैंड के के तेज गेंदबाज सनी बेकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने सात ओवर में ही 76 रन दे दिये पर कोई भी विकेट नहीं ले पाये। इस प्रकार वह इंग्लैंड की ओर से डेब्यू मैच में ही सबसे खराब गेंदबाजी करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले स्पिनर लियाम डॉसन के नाम ये रिकार्ड दर्ज था।

बेकर ने अपने सात ओवर में ही 42 रन लुटा दिये। वहीं डॉसन ने भी अपने पहले ही मैच में 8 ओवर में 70 रन दे दिए थे और उन्हें कोई भी विकेट नहीं मिला। उन्होंने साल 2016 में पाक के खिलाफ ये अनचाहा रिकॉर्ड बनाया था। इस सीरीज के पहले ही मैच में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 24.3 ओवर में केवल 131 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से स्पिनर केशव महाराज ने 5.3 ओवर में ही 22 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने 33 रन देकर तीन विकेट लिए।.

दक्षिण अफीका ने महिला विश्वकप के लिए टीम घोषित की, 17 वर्षीय खिलाड़ी को मिला मौका

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका ने इस महीने के आखिर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में 17 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज करबो मेसो को शामिल किया है। चयनकर्ताओं ने लॉरा वोल्वार्ड्ट की अगुवाई वाली टीम में शीर्ष क्रम की बल्लेबाज एनेके बॉश और ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क और एनेरी डकर्सेन को भी टीम में जगह मिली है। ये तीनों इससे पहले टी20 विश्वकप में टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। ये तीनों खिलाड़ी और मेसो पहली बार एकदिवसीय विश्वकप में खेलेंगी। मेसो ने केवल दो एकदिवसीय मैच खेले हैं और कुल सात सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, लेकिन दो अंडर-19 विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं और इस साल की शुरुआत में स्टेन सिटी के साथ दक्षिण अफ्रीका 20 स्कूल्स का खिताब जीता है। मेसो उन दो खिलाड़ियों में से एक हैं जो पहली बार विश्व कप में खेलेंगी। ऑफ स्पिन गेंदबाज ऑलराउंडर नोंदुमिसो शंगासे का भी यह पहला एकदिवसीय विश्वकप हैं।

महिला वनडे विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम

लॉरा वोल्वार्ड्ट, एनेके बॉश, ताजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लर्क, एनेरी डकर्सन, सिनालो जाफ्ता, मारिजन कप्प, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, करबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे और क्लो ट्रायॉन।

लवलीना, जरीन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और निखत जरीन 4 सितंबर से इंग्लैंड में शुरू होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। इस खेल की नवगठित वैश्विक शासी संस्था, विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप का पहला संस्करण एम एंड एस बैंक एरिना में होगा और 14 सितंबर को समाप्त होगा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 65 से अधिक देशों के 550 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें 17 पेरिस 2024 ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं, 20 भार वर्गों (10 पुरुष और 10 महिला) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में एक सप्ताह के मूल्यांकन के बाद जुलाई में भारतीय टीम का चयन किया गया था। बोरगोहेन 75 किग्रा वर्ग में, जरीन 51 किग्रा वर्ग में, जबकि ओलंपियन पूजा रानी 80 किग्रा वर्ग में मुक्केबाजी करेंगी।

पेरिस 2024 के बाद से बोरगोहेन और जरीन की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी हो रही है। अन्य उल्लेखनीय भारतीय मुक्केबाजों में एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) और विश्व मुक्केबाजी कप के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया (70 किग्रा) और अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) शामिल हैं। चैंपियनशिप नॉकआउट प्रारूप में होगी, जिसमें सेमीफाइनल में हारने वालों को कांस्य पदक दिए जाएंगे।

प्रत्येक मुकाबले में तीन-तीन मिनट के राउंड होंगे, जिनका निर्णय 'टेन पॉइंट मस्ट' प्रणाली के अनुसार होगा। क्वार्टर फाइनल 10 सितंबर से, सेमीफाइनल 12-13 सितंबर से और फाइनल 14 सितंबर से शुरू होंगे। चैंपियनशिप की लाइव स्ट्रीमिंग भारत में वल्ड बॉक्सिंग के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगी। देश में इसका कोई लाइव टीवी प्रसारण नहीं होगा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय टीम

महिलाएं : मीनाक्षी हुडा (48 किग्रा), निखत जरीन (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा), संजू खत्री (60 किग्रा), नीरज फोगाट (60 किग्रा), सनामाचा चानू (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा), नुपुर श्योरण (80 किग्रा)

पुरुष : जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), पवन बर्तवाल (55 किग्रा), सचिन सिवाच जूनियर (60 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश गुलिया (70

किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू अहलावत (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) मुख्य प्रारंभिक और अंतिम राउंड शेड्यूल (आईएसटी) *

4-10 सितंबर : पुरुष और महिला वर्ग के प्रारंभिक दौर

12-13 सितंबर : सेमीफाइनल

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्ध गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

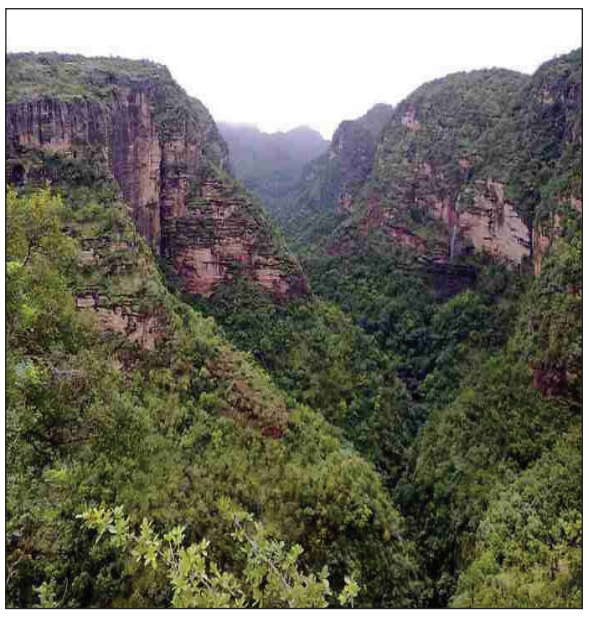

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अपना एक माह का वेतन देंगे रालोद के सांसद-विधायक

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी (रालोद) के विधायक व सांसद अपना एक माह का वेतन बाढ़ राहत कोष में देंगे। जिससे बाढ़ प्रभावित जनमानस की मदद की जा सके। यह निर्देश पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दिया है। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि देश के कई राज्य बाढ़ से लगातार प्रभावित हो रहे हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। कई-कई दिन से परिवार के परिवार बाढ़ की चपेट में आए हुए हैं। उनको राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार की टीम लगातार सुरक्षित जगह पर पहुंचने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरा देश बाढ़ पीड़ितों के लिए जुट रहा है और उनके साथ खड़ा है। गौरतलब है कि मंगलवार को उत्तर प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित जिलों की संख्या बढ़कर 22 हो गई। जबकि अब तक प्रदेश के 607 गांवों के 1,41,169 लोग बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में जारी बारिश के कारण नदियों में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

पंजाब व जम्मू-कश्मीर को हरियाणा सरकार की ओर से 5-5 करोड़ रूपये की सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने भारी वर्षा से उत्पन्न आपदा की मार झेल रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ गहरी एकजुटता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से दोनों राज्यों को पाँच-पाँच करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की है । इस सहायता राशि का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत पहुँचाना तथा दोनों राज्यों में चलाए जा रहे बचाव और पुनर्वास कार्यों को सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लिखे पत्र में कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में हरियाणा सरकार एवं प्रदेश की जनता उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति से आमजन को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, ऐसे में पड़ोसी राज्य और मित्र की भूमिका निभाना हरियाणा सरकार का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि प्रभावित लोगों तक शीघ्र और पर्याप्त सहायता पहुँचाने के लिए हरियाणा सरकार हर संभव सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की अतिरिक्त राहत सामग्री या सहायता की आवश्यकता हो तो नि:संकोच अवगत कराएं, हरियाणा सरकार तुरंत आवश्यक मदद उपलब्ध करवाएगी। सैनी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के चेहरों पर आशा और राहत लौटाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हरियाणा सरकार इस दिशा में अपना योगदान सुनिश्चित करेगी, ताकि संकट की इस स्थिति में कोई भी परिवार अपने को अकेला न महसूस करे।

चेन्नई एयरपोर्ट पर 60 करोड़ की कोकीन जब्त, तीन गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 5.618 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 60 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह बड़ी सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' अभियान और केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशों के तहत हासिल हुई है। 1 सितंबर, 2025 को एनसीबी चेन्नई और एयर इंटेलिजेंस यूनिट, चेन्नई कस्टम्स ने मिलकर इथियोपियन एयरलाइंस की उड़ान से अदीस अबाबा से चेन्नई आए दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक उत्तराखंड के बागेश्वर का 25 वर्षीय बीए स्नातक और दूसरा हिमाचल प्रदेश के चंबा का 26 वर्षीय आईटीआई पास है। जांच में पता चला कि ये दोनों व्यक्ति पिछले कुछ वर्षों से कोकीन तस्करी में शामिल थे और यह कार्य एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा है। इस सिंडिकेट का संचालन दिल्ली से एक नाइजीरियाई नागरिक कर रहा था, जिसे एनसीबी ने दिल्ली से हिरासत में लिया है। वह 2023 से मेडिकल वीजा पर भारत में था, लेकिन 2024 में वीजा समाप्त होने के बाद भी रह रहा था। एनसीबी अब ड्रग तस्करी के अन्य सदस्यों, वित्तीय लेन-देन और तस्करी के रास्तों की जांच कर रही है। साथ ही विदेशी नागरिकों, विशेषकर अफ्रीकी मूल के लोगों की संलिप्तता को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई गई है। एनसीबी ने मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी सूचना देने के लिए टोल-फ्री नंबर 1933 जारी किया है और सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखने का आश्वासन दिया है।

टीएमसी विधायक के काफिले से टकराई बाइक, घायल युवक की मौत

-पायलट कार का चालक भी हुआ घायल

कोलकाता (एजेंसी)। राजधानी में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। यह घटना तब हुई जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक शौकत मोल्ला के काफिले की पायलट कार और एक मोटरसाइकिल में आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बसंती हाईवे पर साइंस सिटी के पास हुआ था। कन्निंग पूर्व विधानसभा सीट से विधायक शौकत मोल्ला का काफिला जिबनतला से कोलकाता की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक पायलट कार से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पायलट कार का अगला हिस्सा भी दब गया। बाइक सवार की पहचान करया थाना क्षेत्र निवासी मोहम्मद ताजुद्दीन के रूप में हुई। उसे गंभीर हालत में एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में पायलट कार का ड्राइवर भी घायल हुआ है, जिसे भांगड़ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर के बाद विधायक की कार भी अनियंत्रित होकर एक बिजली के खंभे से टकरा गई। घटना पर दुख जताते हुए विधायक शौकत मोल्ला ने कहा कि हादसा वाहन के ब्रेक फेल होने की वजह से हुआ। फिलहाल कोलकाता ट्रैफिक पुलिस की फैटल स्क्वाड और लेदर कॉम्प्लेक्स थाना की टीम जांच में जुटी है।

केंद्र सरकार राहत पैकेज की तत्काल घोषणा करें, राहत एवं बचाव कार्यों में आए तेजी

- राहुल गांधी ने पीएम मोदी से किया बारिश व बाढ़ पीड़ितों की मदद का आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम मोदी से लगातार बारिश से विनाशकारी तबाही झेल रहे राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में बाढ़ की स्थिति बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में आपका ध्यान और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद बेहद जरूरी है। हजारों परिवार अपने घरों, जान और प्रियजनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैं आग्रह करता हूं कि इन राज्यों, खासकर किसानों के लिए एक विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए। इस बीच, कई भारतीय राज्यों में भारी बारिश के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम यूपी, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी मध्य प्रदेश और ओडिशा के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक जम्मू और कश्मीर में रेड अलर्ट वाले जिलों में पुंछ, मीरपुर, राजौरी, रियासी, जम्मू, रामबन, उधमपुर, सांबा, कठुआ, डोडा और किश्तवाड़ शामिल हैं। पंजाब में, कपूरथला, जालंधर, नवाशहर, रूपनगर, मोगा, लुधियाना, बरनाला और संगरूर रेड अलर्ट पर हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में, मंडी, ऊना, बिलासपुर, सिरमौर और सोलन इसी तरह की चेतावनी के तहत हैं। हरियाणा के यमुनानगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र, पंचकूला और एसएएस नगर के लिए भी चेतावनी जारी की है। बुधवार सुबह 5:30 बजे जम्मू और कश्मीर के कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। सबसे ज्यादा 203 मिमी बारिश रियासी में दर्ज की गई जम्मू शहर में 81 मिमी बारिश हुई, जबकि बनिहाल 95, रामबन 82, कोकरनाग 68.2 और पहलगाम 55 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा इसी अवधि में श्रीनगर 32 मिमी, सांबा 48, किश्तवाड़ 50, राजौरी 57.4, और काजीगुंड 68 मिमी बारिश दर्ज की गई।

भारत का सबसे गहरा रेलवे स्टेशन बन रहा मुंबई में, ट्रेन पकड़ने के लिए उतरना पड़ेगा जमीन से 100 फीट नीचे

मुंबई (एजेंसी)। दिन-प्रतिदिन भारतीय रेलवे नया इतिहास रच रही है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाया है। अब जल्द ही बुलेट ट्रेन भी दौड़ेगी। जी हाँ, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का काम तेज गति से चल रहा है। इस रूट पर एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्टेशन का काम भी तेज गति से चल रहा है। भारत का सबसे गहरा रेलवे स्टेशन भी जल्द ही बनेगा। यह रेलवे स्टेशन बीकेसी में 100 फीट की गहराई पर बनाया जाएगा। बुलेट ट्रेन के बीकेसी में इस स्टेशन का काम तेज गति से चल रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर यह एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन है। जो जमीन से 100 फीट यानी 32 मीटर की गहराई पर बनाया जा रहा है। यह स्टेशन जमीन से इतनी गहराई पर है कि इसमें 10 मंजिला इमारत बन सकती है। हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक वीडियो शेयर किया था। बताया गया है कि बुलेट ट्रेन की तीन मंजिला इमारत होगी और इसमें प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर होगा। स्टेशन पर 6 प्लेटफार्म होंगे। इन प्लेटफार्म की लंबाई 415 मीटर होगी। यह बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबे रूट पर चलेगी। वर्तमान में 8 घंटे का यह सफर बुलेट ट्रेन से मात्र 3 घंटे में पूरा हो जाएगा। इस बुलेट ट्रेन की अधिकतम गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। बुलेट ट्रेन का परिचालन शुरू होने में अभी तीन साल और लगने की संभावना है। मुख्यमंत्री फडणवीस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बुलेट ट्रेन 2028 तक यात्रियों के लिए सेवा में आ जाएगी।

फ्लाइट में यात्री ने लगाए धार्मिक नारे, पी शराब,क्रू मेंबर्स से किया विवाद

-कोलकाता पहुंचते ही यात्री को सुरक्षा कर्मियों के हवाले किया, पुलिस कर रही जांच

कोलकाता (एजेंसी)। दिल्ली से कोलकाता जा रही इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री और क्रू मेंबर्स के बीच विवाद हो गया। क्रू मेंबर ने यात्री द्वारा धार्मिक नारे लगाए, शराब पीने और यात्रियों को नारे लगाने के लिए भड़काने जैसे आरोपों के साथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना तब हुई जब उड़ान को परिचालन कारणों से दिल्ली में पार्किंग वे पर तीन घंटे तक रोका गया था।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है क्रू मेंबर्स ने एक यात्री पर फ्लाइट में अशांति फैलाने का आरोप लगाया। यात्री पेशे से वकील है। उसने भी क्रू पर उत्पीड़न और बुनियादी सेवाएं न देने का आरोप लगाया। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच कर रही है। एयर होस्टेस की शिकायत के मुताबिक सीट नंबर 31डी पर बैठा यात्री नशे की हालत में विमान में सवार हुआ और उसने सह-यात्रियों को हर हर महादेव का नारा लगाने के लिए उकसाया। शिकायत में कहा गया कि उड़ान शुरू होने के बाद यात्री ने एक सॉफ्ट ड्रिंक की बोतल छिपाने की कोशिश की, जिससे शराब की गंध आ रही थी। जब क्रू ने उससे पूछताछ की, तो उसने जल्दी से बोतल मुंह में लगा ली और पी ली। कोलकाता पहुंचने पर क्रू ने यात्री को सुरक्षा कर्मियों के हवाले कर दिया। यात्री ने क्रू के आरोपों का खंडन करते हुए एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। यात्री ने कहा कि उसने क्रू को हर हर महादेव के साथ अभिवादन किया था, बिना उनकी धार्मिक पहचान जाने। उसने कहा कि उड़ान के दौरान उसने शराब नहीं पी, बल्कि बोर्डिंग से पहले इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बीयर खरीदी थी, जिसका उनके पास खरीद का इनवॉइस भी है। उन्होंने क्रू पर उत्पीड़न और बुनियादी सेवाएं, जैसे पानी और भोजन, न देने का आरोप लगाया। इंडिगो के अधिकारी ने बताया कि केबिन क्रू ने सूचित किया था कि यात्री उपद्रवी और नशे में था। यात्री की शिकायत के जवाब में अधिकारी ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि वे दोनों पक्षों के दावों की गहन जांच कर रही है।

पार्टी से निलंबन के बाद छलका कविता का दर्द बोलीं- भाई ने साथ नहीं दिया

-कुछ लोग निजी और राजनीतिक कारणों से हमारे परिवार को बिखेरना चाहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की निलंबित नेता के कविता ने अपने परिवार और पार्टी के अंदर चल रही कथित साजिशों को लेकर मीडिया में बयान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कविता ने न केवल अपने भाई के टी रामाराव पर निशाना साधा, बल्कि चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अपने पिता और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) से अपील की कि वह अपने आसपास हो रही सियासी चालबाजियों पर नजर रखें। कविता ने कहा कि उनकी निलंबन की साजिश पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश का हिस्सा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कविता ने कहा कि केसीआर गारू मेरा परिवार हैं। हमारे बीच खून का रिश्ता है। पार्टी से निलंबन या पद छिनने जैसे कारणों से यह रिश्ता नहीं टूटना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने निजी और राजनीतिक विकास के लिए हमारे परिवार को बिखेरना चाहते हैं। कविता ने कहा कि उनकी रिहाई के बाद से वह लगातार जनता के मुद्दों के लिए लड़ रही हैं, लेकिन इस दौरान उनके भाई रामाराव ने उनका साथ नहीं दिया, जब उनके खिलाफ बदनाम करने वाली मुहिम चलाई गई।

कविता ने कहा कि मैं भाई केटीआर से मिली। मैंने उन्हें मेरे खिलाफ चल रही साजिशों और झूठे अभियान के बारे में बताया। मैंने उनसे अनुरोध किया कि न केवल एक बहन के रूप में बल्कि पार्टी विधायक के रूप में भी, लेकिन उन्होंने जरा भी परवाह नहीं की। उन्होंने मुझे फोन तक नहीं किया।

कविता ने अपने बयान में साफ कहा कि कुछ लोग उनके परिवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिता केसीआर से गुजारिश की कि वह इस सियासी खेल को समझें और पार्टी के अंदर चल रही साजिशों पर ध्यान दें। कविता का मानना है कि उनकी निलंबन की वजह सिर्फ व्यक्तिगत हमले नहीं, बल्कि बीआरएस पर पूरी तरह कब्जा करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता और पार्टी प्रमुख केसीआर के साथ अपने रिश्ते को लेकर किसी तरह की गलतफहमी नहीं चाहती हैं।

कविता ने अपने चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच की वजह उनके चचेरे भाइयों की भ्रष्ट गतिविधियां हैं। कविता ने भाई रामाराव को नसीहत दी कि वह हरीश और संतोष पर भरोसा न करें, क्योंकि ये लोग पार्टी और परिवार के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं।

सीएम योगी के फैसले से गदगद हुई बहन मायावती बोलीं- धन्यवाद

कानपुर (एजेंसी) बसपा सुप्रीमो मायावती ने कानपुर के प्रसिद्ध बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने के विवादित प्रस्ताव को रद्द करने की खबर का स्वागत किया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार को इस फैसले के लिए धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि भविष्य में सरकार इस तरह के विवादास्पद कदमों को रोकने के लिए सख्ती बरतेगी। मायावती ने चेतावनी दी कि इस तरह के कदम सामाजिक शांति, भाईचारा और सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मायावती ने अपने बयान में कहा, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, जहां विभिन्न धर्मों और जातियों के लोग अपने-अपने पूजा स्थलों के साथ सह-अस्तित्व में रहते हैं। बुद्धा पार्क बौद्ध धर्म और अम्बेडकरवादी विचारधारा के लिए महत्वपूर्ण है। इस पवित्र स्थल पर किसी अन्य धर्म के पूजा स्थल का निर्माण प्रस्तावित करना न केवल अनुचित है, बल्कि यह सामाजिक अशांति और घृणा को बढ़ावा दे सकता है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि यूपी सरकार ने बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने के प्रस्ताव को रद्द कर दिया है, जिसका वह स्वागत करती हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि भविष्य में इस तरह के षड्यंत्रों को गंभीरता से लिया जाए और सामाजिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। मायावती ने कहा, ÷मैं उम्मीद करती हूं कि सरकार आगे भी इस तरह के विवादों को रोकने के लिए तत्पर रहेगी ताकि समाज में शांति, व्यवस्था और भाईचारा कायम रहे। मायावती ने अपने बयान में भारत के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि देश की धर्मनिरपेक्षता विभिन्न धर्मों और जातियों के सह-अस्तित्व पर आधारित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बुद्धा पार्क जैसे स्थल बौद्ध धर्म और अम्बेडकरवादी विचारधारा के लिए पवित्र हैं, और इनका सम्मान करना हर सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने सरकार से तत्काल इस तरह के प्रस्तावों को रोकने की मांग की थी, जिसके बाद सरकार ने यह कदम उठाया।

दूसरों को गाली न देने की नसीहत देने से पहले अपने गिरेबां में झांकें

-लालू की बेटी रोहिणी ने पीएम की मां को गाली देने की निंदाकर दी प्रतिक्रिया

पटना (एजेंसी)। बिहार में कांग्रेस के मंच से दरभंगा में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां के लिए अपशब्द कहे जाने के मामले को लेकर प्रदेश में बवाल मचा है। बीजेपी ने इस मामले को लेकर 4 सितंबर को प्रदेश में बंद का एलान किया है। वहीं, दूसरी ओर इस मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सुप्रीमो लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी प्रतिक्रिया दी है।

बता दें बीते रोज पीएम मोदी ने बिहार राज्य जीविका निधि से जुड़े एक कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित किया था। इसमें उन्होंने स्वयं और उनकी मां के खिलाफ इस्तेमाल किए गए अपशब्दों को लेकर भावुक करने वाली कही थी। पीएम मोदी ने पहली बार इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि ''मेरी दिवंगत मां का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, उनका दोष क्या है? उनके लिए अपशब्द क्यों कहे गए?

पीएम मोदी के इस बयान के बाद बिहार में सियासी गरमा गई। एनडीए ने जहां इस मुद्दे पर गुरुवार को बिहार बंद का ऐलान किया है। वहीं, विपक्ष ने भी पीएम मोदी के बयान पर पलटवार किया है। पीएम मोदी के इस बयान के बाद रोहिणी आचार्या ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ठीक कह रहे हैं प्रधानमंत्री जी...लेकिन दूसरों को गाली न देने की नसीहत देने से पहले अपने गिरेबां में झांके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने तो विपक्ष के लोगों के लिए दर्जनों बार अमर्यादित-घटिया भाषा का इस्तेमाल किया कई बार भाषाई मर्यादाएं लांघीं हैं...हां ये बात सही है की किसी की मां को गाली नहीं देनी चाहिए, इस बात का मैं भी खडंन करती हूं पर प्रधानमंत्री खुद भी कई बार अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर चुके हैं। रोहिणी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी और एनडीए के नेताओं, यहां तक कि सीएम नीतीश कुमार का नाम भी लिया।

उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकसभा चुनाव में मेरे खिलाफ क्या कुछ नहीं बोला गया। बिहार की बेटी के खिलाफ अपशब्द कहे जाने पर बीजेपी या प्रधानमंत्री जी ने क्यों कुछ नहीं कहा? रोहिणी ने कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ भी कई बार अपशब्द इस्तेमाल किए हैं। ऐसे कई मामले हैं। उन मामलों में क्या हुआ? बता दें मंगलवार को पीएम मोदी ने बिहार के लोगों से अपील की थी कि वे राजद-कांग्रेस के मंच से उनकी मां के लिए अपशब्द कहे जाने को लेकर जवाबदेही तय करें। राजद-कांग्रेस के नेता जहां भी जाएं, हर मां-बहन को मैदान में उतरकर उनसे जवाब मांगना चाहिए।

बाढ़ व फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने आज केंद्रीय कृषि मंत्री जाएंगे पंजाब

-शिवराज ने कहा- केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर राहत और पुनर्वास का करेंगी काम

नई दिल्ली(एजेंसी)। पंजाब में लगातार हो रही अतिवृष्टि ने हालात को गंभीर बना दिया है। कई जिलों में नदियां उफान पर हैं और खेत पानी में डूब गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित किसान हुए हैं, जिनकी धान, मक्का और गन्ने की फसलें बर्बाद हो गई हैं। गांवों में घरों और पशुधन को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इसको लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर राहत और पुनर्वास का काम करेंगी।

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से बातचीत कर बाढ़ की स्थिति और किसानों को हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस संकट की घड़ी में पंजाब के के साथ मजबूती से खड़ी है। चौहान ने कहा कि वे गुरुवार सुबह पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे और किसानों व स्थानीय लोगों से मिलकर समस्याएं सुनेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार पंजाब को हरसंभव मदद देगी, ताकि प्रभावित परिवारों को राहत दी जा सके और किसानों के नुकसान की भरपाई हो सके।

बता दें बाढ़ से पंजाब के कई जिलों में धान की तैयार फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। पशुपालन पर भी असर पड़ा है, कई जगह चारे की कमी हो गई है। ग्रामीण इलाकों में घरों को नुकसान पहुंचा है और हजारों लोग सुरक्षित ठिकानों पर जाने को मजबूर हैं। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर राहत और पुनर्वास का काम करेंगी। प्रभावित किसानों को मुआवजा और पुनर्वास पैकेज दिया जाएगा। किसानों के ऋण पुनर्गठन और बीमा दावों की प्रक्रिया तेज करने पर भी विचार किया जा रहा है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए विशेष पैकेज तैयार किया जाएगा।

रामलला के कल दर्शन करेगें भूटान के प्रधानमंत्री, विशेष विमान से अयोध्या पहुंचेंगे दाशो शेरिंग

अयोध्या (एजेंसी)। पड़ोसी देश भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग पांच सितंबर को अपनी धर्मपत्नी ताशी डोमा और कुछ अन्य अफसरों के साथ अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का दर्शन पूजन करेंगे। शेरिंग शुक्रवार सुबह विशेष विमान से अयोध्या महर्षि बाल्मिकी अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचेंगे जहां उनका स्वागत सत्कार किया जाएगा।

एयरपोर्ट से उनका काफिला विशेष सुरक्षा घेरे में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचेगा, जहां श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी उनका सम्मान करेंगे। भूटान के प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी के साथ उनके साथ पधारे भूटान के वित्त सचिव दाशो लेकी वांगमो, कैबिनेट मामलों और रणनीतिक समन्वय कार्यालय के निदेशक चेन्चो, और लेफ्टिनेंट कर्नल शेरिंग नामगे रामलला का दर्शन पूजन अर्चन करेंगे।

विशिष्ट अतिथि रामदरबार के साथ साथ परिसर में मौजूद अन्य मंदिरों में दर्शन पूजन करेंगे। राममंदिर परिसर में स्थित कुबेर टीला पर जाकर कुबेरेश्वर महादेव का जलाभिषेक भी करेंगे। भूटान के प्रधानमंत्री के राममंदिर दर्शन के कारण राममंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को और चाक चौबंद किया जाएगा। भूटान के प्रधानमंत्री के राममंदिर दर्शन के ठीक पहले राममंदिर सुरक्षा समिति की मंदिर परिसर में बैठक भी बुलाई गई है।

जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने आज एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर के साथ भूटान के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। भूटान के प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहे इसका निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक बलरामाचारी दुबे ने राममंदिर में तैनात सुरक्षा अधिकारियों एवं सुरक्षा बल के जवानों के साथ विदेशी मेहमान के प्रोटोकाल के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखने की योजना को अंतिम रूप दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि पांच सितंबर को सुबह 9:30 बजे भूटान के प्रधानमंत्री अयोध्या पहुंचेंगे, और दो घंटे तक राम मंदिर परिसर में रहेंगे। डीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री के दर्शन और भ्रमण का पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है। निखिल टी फुंडे और एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि राममंदिर में श्रद्धालु दर्शन करते रहेंगे। राममंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन और आवागमन में कोई परेशानी न हो इसकी भी व्यवस्था कर दी गई है। भूटान के प्रधानमंत्री दाशों शेरिंग तोबगे दोपहर बाद विशेष विमान से स्वदेश लौट जायेगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चेक गणराज्य के पूर्व पीएम पर हमला

प्राग , एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस पर संसदीय चुनावों से पहले एक रैली में एक व्यक्ति ने छड़ी से हमला कर दिया। बाबिस को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि पूर्वी चेक गणराज्य के डोबरा शहर में हमलावर को तुरंत हिरासत में ले लिया है। प्रधानमंत्री पेट्र फियाला और आंतरिक मंत्री विट राकुसन ने हमले की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। 2017 में प्रधानमंत्री बने बाबिस 2021 के संसदीय चुनाव हार गए। उन्होंने जनवरी 2023 में राष्ट्रपति पद के लिए भी चुनाव लड़ा, लेकिन सेवानिवृत्त सेना जनरल पेट्र पावेल से हार गए।

नाईजीरिया में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने महिला को जलाकर मार डाला

एबूजा, एजेंसी। मध्य नाइजीरिया में भीड़ ने इस्लाम के खिलाफ ईशनिंदा का आरोप लगाकर एक महिला को जलाकर मार डाला। नाइजर राज्य के पुलिस प्रवक्ता वसीउ अबियोदुन ने कहा कि महिला को शनिवार को भीड़ ने हमले में आग लगा दी। क्योंकि उसने पैगंबर मोहम्मद के बारे में टिप्पणी की थी। महिला उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया के कटसिना राज्य की अमाये नामक फूडसेलर थी। पुलिस इस कृत्य की निंदा करती है तथा जनता से हमलावरों की तलाश के दौरान शांत रहने का आग्रह करती है। नाइजीरिया के 12 मुस्लिम बहुल राज्यों में शरिया कानून सामान्य कानून के साथ-साथ लागू है और ईशनिंदा के लिए मृत्यु दंड का प्रावधान है।

न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर को मिलेगा प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि वह न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडी गिउलिआनी को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित करेंगे। एक दिन पहले न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर एक सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए थे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक बयान में गिउलिआनी को न्यूयॉर्क शहर के इतिहास में सबसे महान मेयर और समान रूप से महान अमेरिकी देशभक्त कहा। उनकी 11 सितंबर के हमलों के बाद उनके नेतृत्व के लिए सराहना की गई थी।

अगस्त में नेपाल में हवाई पर्यटकों के आगमन में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) ने सोमवार को कहा कि अगस्त में हवाई मार्ग से नेपाल में 88,680 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए, जिनमें भारतीय यात्रियों की हिस्सेदारी सबसे बड़ी थी। आने वाले पर्यटकों में 35,505 भारत से थे, जो कुल पर्यटकों का 40 प्रतिशत था। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन की सूची में भारत शीर्ष पर रहा। इसके बाद 7,533 पर्यटकों के साथ चीन और 6,068 पर्यटकों के साथ अमेरिका का स्थान रहा। 5,956 पर्यटकों के साथ श्रीलंका और 4,262 पर्यटकों के साथ बांग्लादेश क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। जुलाई 2025 में नेपाल में हवाई मार्ग से 70,193 पर्यटकों का आगमन हुआ था। जनवरी से अगस्त 2025 तक नेपाल में कुल 7,36,562 पर्यटक आए। इनमें 2,10,496 भारतीय थे।

हैती में बख्तरबंद वाहन दुर्घटना में 2 लोगों की मौत

पोर्ट-ऑ-प्रिंस, एजेंसी। हैती की राजधानी में दो बख्तरबंद वाहनों की टक्कर में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और केन्या के आठ पुलिस अधिकारी घायल हो गए। सभी घायल संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक मिशन के सदस्य थे जो इस अशांत कैरेबियाई देश में गिरोहों से लड़ रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से तीन की हालत गंभीर है और उन्हें उपचार के लिए पड़ोसी डोमिनिकन गणराज्य ले जाया गया है। यह दुर्घटना रविवार शाम राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के बाहरी इलाके में केंसकॉफ-पेटियन-विले मार्ग पर हुई। मिशन प्रवक्ता जैक ओम्बाका ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब एक बख्तरबंद वाहन, जो एक खराब वाहन को खींच रहा था, खराब हो गया।

अपनी खास रेलगाड़ी से चीन पहुंचे किम जोंग उन

इस चलते-फिरते महल पर बमों का भी नहीं होता असर

बीजिंग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन चीन पहुंच गए हैं। किम जोंग उन बुधवार को चीन की सैन्य परेड में बतौर अतिथि शिरकत करेंगे। किम जोंग उन अपनी खास ट्रेन से चीन पहुंचे और एक बार फिर उनकी ये ट्रेन चर्चा में आ गई है। उत्तर कोरियाई नेता की हरे रंग और पीली पट्टी वाली ये ट्रेन लोगों के आकर्षण का केंद्र रही है और जब भी उत्तर कोरियाई नेता विदेश दौरों पर जाते हैं तो इसी ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। यह ट्रेन बेहद खास है और ऐसा दावा किया जाता है कि यह ट्रेन बुलेटप्रूफ है और इस पर बम-मिसाइल का भी असर नहीं होता है।

विदेश दौरों पर इसी ट्रेन से जाते हैं किम जोंग उन : किम जोंग उन जिस रेलगाड़ी से चीन पहुंचे हैं, वह बेहद खास है और पीढ़ियों से उत्तर कोरियाई शासक देश-विदेश के दौरों के लिए इस ट्रेन का इस्तेमाल करते आए हैं। किम जोंग उन ने विदेश दौरों के लिए एक-दो बार हवाई जहाज का इस्तेमाल किया है, लेकिन किम जोंग उन के पिता और पूर्व उत्तर कोरियाई शासक किम जोंग इल हमेशा इस खास रेलगाड़ी से ही सफर करते थे। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर कोरियाई शासक की यह खास ट्रेन लग्जरी और अपने सुरक्षा उपायों के लिए जानी जाती है। ऐसे में इसे चलता-फिरता राजमहल कहा जाए तो गलत नहीं होगा। इस ट्रेन को बुलेटप्रूफ और मिसाइल प्रूफ बताया जाता है। यह ट्रेन करीब 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है। इस ट्रेन में कॉन्फ्रेंस रूम, ऑडियंस चैंबर, आराम के कमरे बने हैं। इस ट्रेन में सैटेलाइट फोन की सुविधा भी है। किम जोंग इल के समय में इस ट्रेन के देशभर में संचालन के लिए 20 स्टेशन बनाए गए थे। उत्तर कोरियाई नेताओं का परिवार भी अपने दौरों के लिए इस खास ट्रेन का ही इस्तेमाल करता है।

ट्रेन में दो बख्तरबंद मर्सिडीज गाड़ियां भी रहती हैं मौजूद : उत्तर कोरिया की तरह ही इस ट्रेन की खासियतों के बारे में भी दुनिया को बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है और जब किम जोंग उन विदेश दौरों पर जाते हैं, तभी इस ट्रेन की तस्वीरें दुनिया के सामने आती हैं। साल 2023 में जब किम जोंग उन ने रूस का दौरा किया था, उस वक्त भी वे इसी ट्रेन से रूस पहुंचे थे। उस वक्त जो तस्वीरें सामने आई थी, उनमें ट्रेन के भीतर का शानदार इंटीरियर, फर्नीचर आदि की झलक देखने को मिली थी। साथ ही खाने-पीने के लिए किचन, रेस्तरां और अन्य सभी सुख सुविधाओं से लैस इस ट्रेन में किम का कार्यालय भी है, जहां से वे सफर के दौरान भी अपने सभी जरूरी काम कर सकते हैं। चीनी मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस ट्रेन में 10-15 डिब्बे होते हैं, जिनमें से कुछ सिर्फ उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं। इस ट्रेन में किम जोंग उन की दो बख्तरबंद मर्सिडीज गाड़ियां भी होती हैं।

विदेशों में कैसे दाखिल होती है ये ट्रेन? : जब भी किम जोंग उन विदेश दौरा करते हैं तो उत्तर कोरिया की सीमा तक वे इस ट्रेन से सफर करते हैं। जब सीमा पार करते हैं कुछ बदलाव किए जाते हैं। जैसे जब किम जोंग उन ने रूस का दौरा किया था तो वहां के गेज चौड़े हैं, जिसके चलते किम की ट्रेन के पहियों को बदला गया था। चीन में ऐसे किसी बदलाव की जरूरत नहीं है, लेकिन चीन में किम की ट्रेन के इंजन को बदला जाता है और उसमें चीन में बने खास इंजन लगाए जाते हैं

रूसी तेल खरीद पर अमेरिकी वित्त मंत्री का बेतुका बयान, कहा- भारत गलत कर रहा, एक पॉइंट पर हमें आगे आना पड़ेगा,

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी नेताओं के बेतुके बयान जारी हैं। अब अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की आलोचना की है और आरोप लगाया कि भारत अभी भी रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है और यूक्रेन युद्ध को बढ़ा रहा है। एक स्थानीय मीडिया को दिए इंटरव्यू में स्कॉट बेसेंट ने भारत को गलत बताया और कहा कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो अमेरिका और इसके सहयोगियों को एक पॉइंट पर आगे आना होगा।

एससीओ बैठक को बताया दिखावा : फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में स्कॉट बेसेंट से जब चीन में आयोजित हुई एससीओ बैठक को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह बैठक पहले से तय थी और यह व्यापक तौर पर दिखावा लगा। आखिर में भारत, जो कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, उसके मूल्य हमारे ज्यादा करीब हैं और उसके बाद चीन के और फिर कहीं रूस के करीब हैं।

उन्होंने कहा, देखिए, ये सभी गलत कर रहे हैं। भारत, रूस की युद्ध मशीन को ईंधन दे रहा है और उसी तरह चीन भी ऐसा कर रहा है। मुझे लगता है कि एक पॉइंट पर अमेरिका और इसके सहयोगियों को आगे आना पड़ेगा। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत, रूसी तेल खरीदकर उसे रिफाइन करके बेचकर, यूक्रेन में रूस युद्ध को वित्तपोषित कर रहा है। उन्होंने संकेत दिए कि ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ और प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने जताई उम्मीद- दोनों देश सुलझा लेंगे मतभेद : स्कॉट बेसेंट ने भारत की आलोचना के साथ ही ये उम्मीद भी जताई कि अमेरिका और भारत के संबंध सुधर जाएंगे और दोनों देश अपने मतभेदों को सुलझाने में सक्षम हैं। स्कॉट बेसेंट ने भारत पर लगाए गए पारस्परिक टैरिफ का भी बचाव किया और कहा कि वे हमें भारी मात्रा में सामान बेचते हैं, उनके सबसे बड़े ग्राहक हम हैं, लेकिन हम उन्हें बहुत कम सामान बेचते हैं। अब तक यह पूरी तरह से एकतरफा रिश्ता रहा है, और यह कई दशकों से चला आ रहा है। इसकी वजह यह है कि भारत ने अब तक हमसे इतने ऊंचे टैरिफ वसूले हैं, किसी भी देश से ज्यादा कि हमारे व्यवसाय भारत में सामान नहीं बेच पा रहे हैं। यह पूरी तरह से एकतरफा रहा है।

अब बेल्जियम ने दिया इजरायल को झटका, 12 सख्त पाबंदियां लगाने की तैयारी

इस महीने संयुक्त राष्ट्र में बड़े उलटफेर की तैयारी

तेल अवीव, एजेंसी। बेल्जियम के नेता ने ऐलान किया कि हम इजरायल पर 12 सख्त पाबंदियां लगाएंगे। इसके अलावा इजरायली कंपनियों से किसी भी तरह की खरीद की समीक्षा की जाएगी। प्रेवोत ने कहा कि हम गाजा में जारी मानवीय संकट को देखते हुए यह फैसला ले रहे हैं।

इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ऐलान किया था वह 9 से 23 सितंबर तक होने वाली यूएन की महासभा में फिलिस्तीन को मान्यता देंगे। फ्रांस के बाद फिर कनाडा, ब्रिटेन, माल्टा, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने भी फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है। अब तक यूरोप के देशों को अमेरिकी नीति का पिछलग्गू माना जाता था। ऐसे में अमेरिकी स्टैंड को देखते हुए इन देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी।

लेकिन अब यूरोपीय देशों और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुल्कों की स्थिति बदल गई है। इन देशों का कहना है कि इजरायल नरसंहार कर रहा है और ऐसे में वे फिलिस्तीन को मान्यता देंगे। इससे पहले बीते एक साल में भी कई देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दी है। इन देशो में मैक्सिको, आर्मीनिया, स्लोवेनिया, आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, बहामास, ट्रिनीडाड एंड टोबैगो, जमैका और बार्बाडोस शामिल हैं। अब तक दुनिया के 147 यानी कुल 76 फीसदी देश फिलिस्तीन को मान्यता देते हैं। ऐसे में यदि 6 और देश फिलिस्तीन को मान्यता देंगे तो यह वैश्विक राजनीति में बड़े उलटफेर की शुरुआत होगी।

कैलिफोर्निया के गवर्नर ने मोदी-पुतिन के वीडियो से ट्रंप पर साधा निशाना

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका में अपराध और अवैध प्रवास पर सख्त कार्रवाई की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना को लेकर राजनीतिक खींचतान तेज हो गई है। इसी बीच कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजम ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए ट्रंप पर करारा तंज कसा।

न्यूजम डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं और 2028 में राष्ट्रपति पद की दौड़ में उतरने के दावेदार माने जा रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, लेकिन चिंता मत कीजिए, ट्रंप शिकागो में गार्ड भेज रहे हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन का वीडियो साझा किया, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन हाथ थामे हंसते हुए शी जिनपिंग की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। इसके बाद तीनों नेता आपस में बातचीत करते और हंसते नजर आते हैं।

शिकागो और न्यूयॉर्क में नेशनल गार्ड की तैनाती की तैयारी : दरअसल, पिछले हफ्ते राष्ट्रपति ट्रंप ने इशारा किया था कि वे देश के तीसरे सबसे बड़े शहर शिकागो और फिर न्यूयॉर्क में नेशनल गार्ड की तैनाती कर सकते हैं। वाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, हम अपने शहरों को बेहद सुरक्षित बनाएंगेज मेरा मानना है कि अगला शिकागो होगा और फिर हम न्यूयॉर्क में मदद करेंगे।

ट्रंप का यह बयान डेमोक्रेट्स की कड़ी आलोचना का कारण बना है। गवर्नर न्यूजम खासतौर पर तब से और ज्यादा मुखर हो गए हैं जब ट्रंप ने विवादास्पद कदम उठाते हुए लॉस एंजिलिस में इमिग्रेशन छापों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों को शांत करने के लिए लगभग 5,000 सैनिक तैनात कर दिए थे।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति बोले- अमेरिकी सेना ने हमला किया तो करेंगे सशस्त्र गणराज्य का एलान

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोमवार को कहा कि यदि उनके देश पर अमेरिकी सेना हमला करती है तो वह सांविधानिक रूप से एक सशस्त्र गणराज्य की घोषणा करेंगे। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी सरकार ड्रग कार्टेल के खतरों से निपटने के लिए वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में अपनी समुद्री सेना को बढ़ाने की तैयारी में है। अमेरिका ने तैनात किए जा रहे हजारों सैनिकों द्वारा किसी भी जमीनी घुसपैठ का संकेत नहीं दिया है। फिर भी मादुरो की सरकार ने अपने तट और पड़ोसी कोलंबिया की सीमा पर सैनिकों को तैनात करके, वेनेजुएला के लोगों से एक नागरिक मिलिशिया में भर्ती होने का आग्रह करके जवाबी कार्रवाई की है। मादुरो ने कहा कि अधिकतम सैन्य दबाव के मद्देनजर हमने वेनेजुएला की रक्षा के लिए तैयारी की घोषणा की है। अमेरिकी नौसेना के पास अब कैरिबियन सागर में दो एजिस निर्देशित मिसाइल विध्वंसक यूएसएस ग्रेवली और यूएसएस जेसन डनहम हैं। यह तैनाती ऐसे समय में की गई है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन कार्टेलों को विफल करने के लिए सेना का उपयोग करने पर जोर दिया है, जिन्हें वे अमेरिकी समुदायों में फेंटेनाइल और अन्य अवैध दवाओं के प्रवाह और कुछ अमेरिकी शहरों में हिंसा को जारी रखने के लिए जिम्मेदार मानते हैं।

सूडान में भूस्खलन, 1000 लोगों के मारे जाने की आशंका; दारफुर का पूरा गांव तबाह

दारफुर, एजेंसी। सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर में भूस्खलन के कारण 1000 लोगों के मारे जाने की खबर है। इस देश पर नियंत्रण रखने वाले विद्रोही समूह- सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने सोमवार को बताया कि कई दिनों की भारी बारिश के बाद तरासिन गांव में रविवार को भूस्खलन हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये गांव मध्य दारफुर के मर्राह पर्वतों के बीच है। इसे हाल के कुछ वर्षों की सबसे भयानक प्राकृतिक आपदा माना जा रहा है।

गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत

सूडान लिबरेशन मूवमेंट-आर्मी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तरासिन गांव में रहने वाले लगभग सभी लोगों की मौत हो चुकी है। केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा है। अनुमान है कि लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं। गांव पूरी तरह से तबाह हो चुका है। राहत और बचाव कार्य चलाने में मदद और मलबे के नीचे दबे शवों को बरामद करने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय सहायता समूहों से गुहार लगाई गई है।

सूडान में आधे से ज्यादा लोग भुखमरी की चपेट में

गृहयुद्ध ने सूडान की आबादी पर गहरा असर डाला है. आधे से ज्यादा लोग भुखमरी के संकट का सामना कर रहे हैं और लाखों लोग अपने घर छोड़कर पलायन कर चुके हैं. उत्तर दारफुर की राजधानी अल-फाशिर भी लगातार हमलों की चपेट में है.

एसएलएम/ए ने कहा कि भूस्खलन की यह त्रासदी देश की मौजूदा मानवीय स्थिति को और भयावह बना रही है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए.

सूडान में दो साल से जारी है गृहयुद्ध

यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब सूडान पहले से ही गंभीर संकट का सामना कर रहा है. सूडानी सेना और पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सके बीच पिछले दो साल से जारी गृहयुद्ध ने देश की स्थिति और बिगाड़ दी है.

पाकिस्तान में लकड़ी घोटाले का पर्दाफाश, 1.7 अरब का किया गबन, 140 अधिकारी फंसे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में 1.7 अरब पाकिस्तानी रुपये के बड़े लकड़ी घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। जिसमें लगभग 2.3 मिलियन क्यूबिक फीट अवैध रूप से काटी गई लकड़ी जब्त की गई। इस घोटाले में 140 अधिकारी फंसे हैं। इनको कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही इनके खिलाफ चार्जशीट तैयार की जा रही है। राज्य सरकार ने आगे की कार्रवाई के लिए कुछ मामलों को पाकिस्तान के राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) और भ्रष्टाचार निरोधक विभाग को भी भेज दिया है।

पेशावर में वानिकी योजना और निगरानी सर्कल (एफपी एंड एमसी) ने बताया कि जब्त की गई लकड़ी मुख्य रूप से बट्टाग्राम के अल्लाई तहसील और क्षेत्र के अन्य इलाकों से बरामद की गई थी। यह जांच राज्य मंत्रिमंडल के निर्देशों के तहत की गई। इसमें वुडलॉट्स, अनुमोदित कार्य योजनाओं, एफडीएफ योजनाओं, सूखे खड़े और हवा से गिरे पेड़ों पर 2003 की नीति के साथ-साथ अवैध लकड़ी काटने की नीति की समीक्षा की गई।

टीम ने 370 मामलों की जांच की। इसमें 168 (45.4 प्रतिशत) में नियमों का अनुपालन पाया गया। 91 (24.6 प्रतिशत) में मामूली समस्याएं थीं और 111 (30 प्रतिशत) में बड़े उल्लंघन सामने आए। जांच के दौरान 4.39 मिलियन क्यूबिक फीट लकड़ी को साफ किया गया। जबकि 1.545 मिलियन क्यूबिक फीट लकड़ी को मामूली दोषों के सुधार के बाद मंजूरी दी गई। वहीं गंभीर उल्लंघनों के कारण 2.361 मिलियन क्यूबिक फीट लकड़ी को जब्त किया गया।

सबसे ज्यादा अनियमितताएं वुडलॉट्स में देखी गई। जबकि सूखे, खड़े और हवा से गिरे पेड़ों की श्रेणी में 76 मामलों में से 22 में बड़े उल्लंघन शामिल थे। एफडीएफ योजनाओं में 36 मामलों में कोई बड़ी विसंगतियां नहीं थीं और अवैध लकड़ी कटान नीति के तहत केवल एक मामूली उल्लंघन पाया गया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब्त की गई लकड़ी के मामलों में अधिकारियों ने अंकन मानकों की उपेक्षा की। अनुमोदित कार्य योजनाओं का पालन नहीं किया और अवैध कटाई कराई। मामले में वन विभाग ने दक्षता और अनुशासन नियम 2011 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की है। इसमें 140 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ आरोप पत्र तैयार किए जा रहे हैं। अस्पष्ट कारणों से लकड़ी के अंकन और कटाई की निगरानी तीन साल के लिए रोक दी गई थी।

नेपाल ने चीन की ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव का नहीं किया समर्थन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के आर्थिक और विकास सलाहकार डॉ. युवराज खतीवड़ा ने स्पष्ट किया है कि नेपाल ने चीन के विश्व सुरक्षा पहला या ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआई) का समर्थन नहीं किया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पीएम ओली के बीच हाल में हुई द्विपक्षीय वार्ता को लेकर उठे सवालों पर डॉ. खतीवड़ा ने कहा कि उस मुलाकात में इस विषय पर कोई समझौता या सहमति नहीं हुआ। खतीवड़ा ने बताया कि नेपाल सरकार किसी भी देश की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा नहीं बनेगी। यह वार्ता 30 अगस्त को चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के अवसर पर हुई थी।

आईडीएफ ने गाजा में तबाह किए हमास के भूमिगत ठिकाने, मिस्र ने की इस्राइली सैन्य कार्रवाई की आलोचना

तेल अवीव/काहिरा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी में आतंकवादी संगठनों और उनके ठिकानों को निशाना बनाते हुए अभियान जारी रखा। इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने बताया कि उन्होंने गाजा के कई हिस्सों में कार्रवाई की।

आईडीएफ ने बताया कि उत्तर गाजा में तोपों से हमला कर निगरानी चौकियों और एक ऐसी जगह को नष्ट किया गया, जहां से एंटी टैंक मिसाइल चलाई गई थी। इस कार्रवाई में किसी भी इस्राइली सैनिकों को नुकसान नहीं हुआ। सैनिकों ने जबालिया के पास लगे कैमरों और भूमिगत विस्फोटक ठिकानों को भी हटाया। दक्षिण गाजा में भी आतंकियों और उनके भूमिगत ठिकानों को निष्क्रिय किया गया।

अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर रहा इस्राइल-मिस्र

उधर, मिस्र ने गाजा पट्टी में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई और उसके विस्तार की निंदा की। मिस्र ने कहा कि इस्राइल अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है, जबकि दुनिया इस युद्ध और क्षेत्रीय तनाव को खत्म करना चाहती है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मिस्र और कतर की ओर से दिए गए संघर्षविराम प्रस्ताव पर इस्राइल की ओर से जवाब न आना यह दिखाता है कि वह शांति और तनाव कम करने के प्रयासों के खिलाफ है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन इलाके में कैदियों से भरी बस ट्रक में जा घुसी

बस में 20 कैदी और 30 पुलिस जवान थे, कुछ कैदियों के घायल होने पर अस्पताल भेजा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

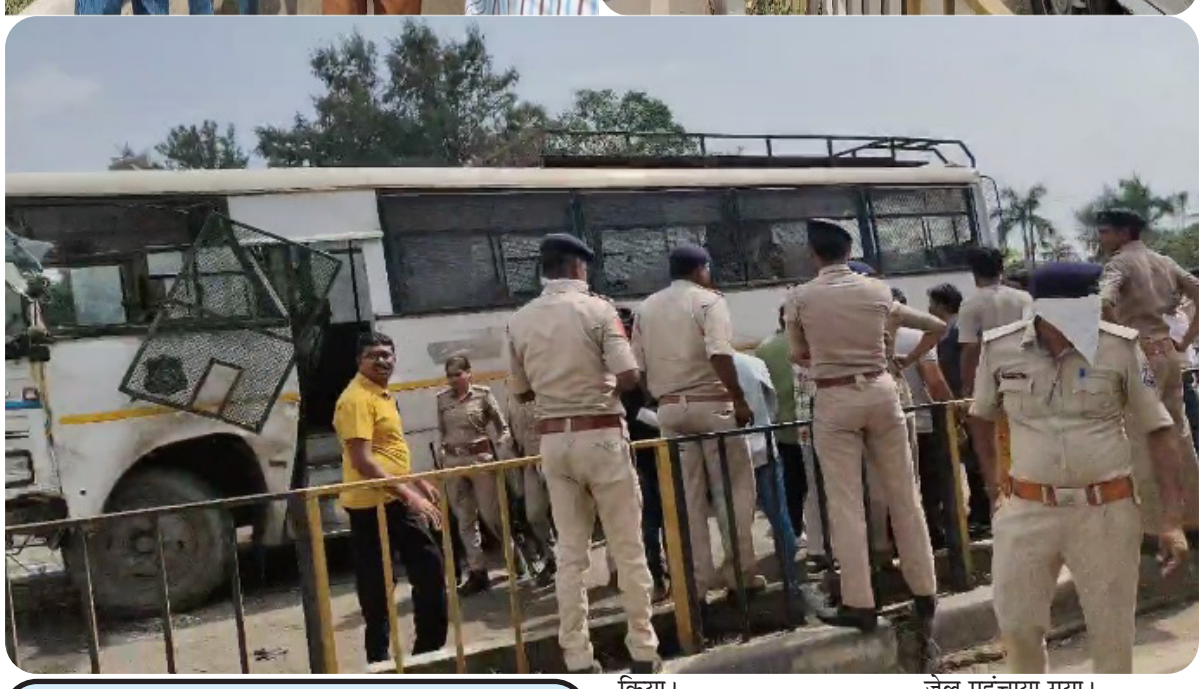

सूरत के सचिन इलाके में आज एक बड़ा हादसा हुआ। कोर्ट से जेल ले जा रही कैदियों से भरी पुलिस बस का गंभीर सड़क हादसा हो गया। कैदियों से भरी पुलिस बस ट्रक में जा टकराई। इस हादसे में कई आरोपियों को चोटें आईं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा सचिन इलाके की एक चेकपोस्ट के पास हुआ। पुलिस बस सामने चल रहे ट्रक से टकरा गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ। इस बस में पकड़े गए आरोपियों को कोर्ट से लाजपोर जेल ले जाया जा रहा था। तभी यह दुर्घटना हुई।

बस में 20 से अधिक कैदी और 30 से अधिक पुलिस जवान थे

लाजपोर जेल से मिली जानकारी के अनुसार, आज दोपहर के समय आरोपियों को लेकर पुलिस बस सूरत पहुंची थी। इसके बाद वहां से लौटते समय लाजपोर जेल की ओर जा रही थी। बस में 20 से अधिक कैदी और 30 से अधिक जेल के पुलिस जवान मौजूद थे। ओवरटेक करने के दौरान बस सामने चल रहे ट्रक से टकरा गई।

बस में मौजूद कैदियों को चोटें आईं, जिसके चलते 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। इसके बाद दूसरी पुलिस बस मंगाकर सभी कैदियों और जवानों को लाजपोर जेल वापस ले जाया गया। घायल कैदियों का इलाज जेल में तैनात चिकित्सक ने किया।

कैदियों को लाजपोर जेल भेजा गया हादसे के बाद घायल आरोपियों को तुरंत एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही सूरत हेडक्वार्टर पुलिस ने दूसरी पुलिस वैन भेज दी, जिसमें बाकी सभी कैदियों को सुरक्षित लाजपोर जेल पहुंचाया गया।

क्या हादसा ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से हुआ?

पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हादसा ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से हुआ या किसी अन्य वजह से, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल घायल आरोपियों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

बस में सवार आरोपियों का कहना है कि बस चालक शराब पीकर गाड़ी चला रहा था।

सचिन से पलसाना की ओर जाने वाले रास्ते पर लाजपुर से आरोपियों को लेकर निकली बस का सड़क पर हादसा हो गया...

घटना की जानकारी मिलते ही सूरत हेडक्वार्टर पुलिस ने दूसरी पुलिस वैन भेज दी, जिसमें बाकी सभी कैदियों को सुरक्षित लाजपोर जेल पहुंचाया गया।

प्रेमिका के परिवार द्वारा प्रताड़ना के चलते प्रेमी ने की आत्महत्या

पीएम रूम के बाहर परिजनों का आंदोलन, मां और बहन का रो-रोकर बुरा हाल

युवक को मारपीट कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में 27 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद युवक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए सूरत सिविल अस्पताल भेजा गया। हालांकि, परिवार का आरोप है कि प्रेमिका के परिवारजनों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण युवक ने आत्महत्या की है। मृतक युवक के साथ मारपीट भी की गई थी और उसे मानसिक रूप से सताया गया था।

न्याय की मांग को लेकर परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर चटाई बिछाकर बैठ गए। पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर युवक की मां और बहन के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया।

परिवार का सहारा बना दीपक

मिली जानकारी के अनुसार, 27 वर्षीय दीपक अशोक सैंदाण मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला था और सूरत के पांडेसरा इलाके के नागसेन नगर में अपने परिवार के साथ रहता था। दीपक परिवार का इकलौता बेटा था। परिवार में माता-पिता और दो विवाहित बहनें हैं। पिता निजी कंपनी में सफाईकर्मी के रूप में काम करते हैं, जबकि मां घरों में काम करके आर्थिक सहारा देती हैं। दीपक ऑनलाइन डिलीवरी का काम करके परिवार का आर्थिक सहारा बन गया था।

पंखे से दुपट्टा बांधकर आत्महत्या कल दोपहर दीपक ने घर के अंदर दरवाजा बंद कर पंखे से दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली। जब आसपास के लोगों ने दरवाजा तोड़ा तो दीपक फंदे से लटका मिला। बाद में उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम के लिए शव रखा गया। लेकिन परिजनों ने न्याय की मांग को लेकर शव लेने से इनकार कर दिया और पीएम रूम के बाहर धरने पर बैठ गए।

15 दिन पहले हुई थी मारपीट और धमकियां मृतक के पिता अशोकभाई ने बताया कि दीपक काम पर जाने से पहले घर के पास खड़ा होकर फोन पर जोर-जोर से बात कर रहा था। हमें नहीं पता कि उसे कौन-सी धमकियां मिली थीं। 15 दिन पहले भी लड़की के पिता, मामा और भाई ने उसके साथ मारपीट की थी और धमकी दी थी। अगर मेरे बेटे को न्याय नहीं मिला तो हम शव नहीं लेंगे।

प्रेम संबंध के कारण प्रताड़ना

मृतक के रिश्तेदार गोपाल सोनवाणे ने बताया कि दीपक और घर के पास रहने वाली लड़की के बीच पिछले सात साल से प्रेम संबंध था। लड़की का परिवार उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था और बार-बार मारपीट करता था। लड़की के परिवारजनों ने दीपक और उसके परिवार को भी कई बार धमकियां दी थीं। इसी वजह से दीपक ने मजबूरी में यह कदम उठाया होगा।

उन्होंने आगे कहा कि एक बेटे की मौत से परिवार की हालत बहुत खराब हो गई है। परिवार में कमाने वाला इकलौता बेटा दीपक ही था, जिसके कारण अब परिवार बर्बादी के कगार पर पहुंच गया है। इसलिए परिजनों ने मांग की है कि लड़की के पिता, मामा और भाई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि दीपक को न्याय मिल सके।

सूरत के औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन

कांग्रेस के महामंत्री ने सरकारी विभागों को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में बार-बार हो रहे औद्योगिक हादसों को लेकर गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के महामंत्री दर्शन नायक ने चिंता जताई है। उन्होंने संबंधित सरकारी विभागों को पत्र लिखकर तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

हाल ही में पलसाणा की एक मिल में ड्रम वॉशर फटने की दुर्घटना में 25 से अधिक मजदूर झुलस गए थे। इस हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई। नायक ने पत्र में कहा कि सूरत के पांडेसरा, सचिन, उधना, कडोदरा और पलसाणा क्षेत्र की डाइंग मिल और टेक्सटाइल फैक्ट्रियों में नियमों का उल्लंघन हो रहा है।

फैक्ट्रियों में बिना मंजूरी के निर्माण कार्य किए गए हैं। इमरजेंसी एग्ज़िट और वेंटिलेशन की सुविधाएं नहीं हैं। फायर एग्ज़िट, अलार्म सिस्टम और स्प्रिंकलर जैसी सुविधाएं अपर्याप्त हैं। मजदूरों को फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। खतरनाक रसायनों से बचाव के लिए PPE किट भी उपलब्ध नहीं कराई जाती।

जहरीला रासायनिक कचरा सीधे तापी नदी और नालों में छोड़ा जाता है, जिससे पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान हो रहा है। नायक ने जिम्मेदार इकाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने हादसे के शिकार मजदूरों को तुरंत सहायता देने की भी बात कही है।

यह पत्र सूरत जिला कलेक्टर, म्युनिसिपल कमिश्नर, गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी, SUDA के चेयरमैन और फैक्ट्री इंस्पेक्टर को भेजा गया है।

खून से लथपथ हालत में नयन स्कूल पहुंचा, पहली बार सामने आया CCTV

'सेवेंथ डे' की पोल खोलता वीडियो, 7 मिनट बाद हंगामा कर रिक्शे में ले जाया गया था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

19 अगस्त को अहमदाबाद के खोकरा इलाके में स्थित सेवेंथ डे स्कूल के कक्षा 10 के छात्र नयन की उसी स्कूल के कक्षा 10 के ही एक छात्र ने बॉक्स कटर से हत्या कर दी थी। इस घटना के 15 दिन बाद यानी 2 सितंबर को स्कूल का CCTV पहली बार सामने आया है। मृतक छात्र नयन घायल अवस्था में स्कूल के एंट्री गेट से अंदर प्रवेश करता दिखाई देता है। दोपहर 12:53 बजे नयन पेट के उस हिस्से को हाथ से दबाए स्कूल में प्रवेश करता नजर आता है, जहां उसे चोट लगी थी।

कुछ ही देर बाद नयन गिर पड़ता है तो आसपास छात्रों की भीड़ जमा हो जाती है। इस दौरान स्कूल स्टाफ या सुरक्षा गार्ड द्वारा नयन की कोई मदद नहीं की जाती और लोग बस खड़े होकर तमाशा देखते रहते हैं। इसके बाद नयन की मां और एक अन्य महिला वहां पहुंचती हैं और छात्रों की मदद से नयन को रिक्शे में अस्पताल ले जाया जाता है।

CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि दोपहर 12:53 बजे पीले रंग की टी-शर्ट और सफेद पैंट पहने नयन स्कूल गेट में अंदर आता है। उसके साथ तीन से चार लड़के भी नजर आते हैं। इस दौरान पेट से खून निकल रहा होता है और नयन उसे हाथ से दबाए हुए है। चोट लगने की वजह से वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा था। इस समय वहां छात्रों की काफी आवाजाही हो रही थी। CCTV में यह भी दिखता है कि दो-तीन छात्राएं इस बारे में किसी व्यक्ति को कुछ कह रही हैं। इसके बाद वह व्यक्ति नयन की तरफ दौड़ता है और तीनों छात्राओं में से एक बाहर की ओर भागती है, दूसरी स्कूल के अंदर की ओर दौड़ती है और तीसरी वहीं खड़ी रहती है।

इसी दौरान जब छात्रों को घटना की खबर मिलती है तो अफरा-तफरी मच जाती है और वे नयन की ओर दौड़ते हैं। तभी सिक्योरिटी गार्ड भी वहां पहुंचता है और डंडा दिखाकर छात्रों को दूर भगाने की कोशिश करता है।

CCTV में वह जगह दिखाई नहीं देती जहां नयन गिरा था, लेकिन यह साफ दिखता है कि छात्र उसे घेरे हुए हैं। इस दौरान स्कूल स्टाफ के कुछ लोग भी CCTV में नजर आते हैं। देखते ही देखते घटना की खबर फैलते ही छात्रों में हड़कंप मच जाता है और डर का माहौल बन जाता है। हालांकि स्कूल का स्टाफ मौके पर मौजूद था, फिर भी उन्होंने नयन को अस्पताल पहुंचाने की कोई पहल नहीं की।

इस कीमती समय में भी नयन की मदद के लिए कोई आगे नहीं आया और केवल छात्रों को दूर भगाने की कोशिश की जाती रही। देखा गया कि करीब 7 मिनट बाद यानी दोपहर 1 बजे दो महिलाएं दौड़ती हुई गेट में प्रवेश करती हैं और नयन तक पहुंचती हैं। उस समय मौजूद छात्रों ने नयन को उठाकर गेट के बाहर ले जाकर एक रिक्शे में बैठाया और उसे अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि ये महिलाएं नयन के परिजन थीं। यानी छात्र के परिजन घर से भागकर स्कूल पहुंचे और बेटे को अस्पताल ले गए, लेकिन स्कूल की ओर से लापरवाही बरती गई और नयन की कोई मदद नहीं की गई, यह बात CCTV में साफ नजर आती है।

सेवेंथ डे स्कूल ने अभिभावकों के ग्रुप में घटना की टाइमलाइन डालकर अब पूरे मामले से पल्ला झाड़ लिया है।

स्कूल प्रशासन ने दावा किया कि उन्होंने लापरवाही नहीं बरती। उन्होंने अभिभावकों के ग्रुप में पूरी घटना की टाइमलाइन डालते हुए कहा कि घायल नयन स्कूल में आने के 6-7 मिनट के भीतर ही इलाज के लिए स्कूल से बाहर निकल गया था। साथ ही स्कूल ने अभिभावकों से अपील की कि वे गलत बातों में न आएं और कानून व्यवस्था पर विश्वास रखें। साथ ही स्कूल ने स्कूल में हुई तोड़फोड़ और स्टाफ पर हुए हमले को दुखद बताया।

अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी रोहित चौधरी ने बताया कि सेवेंथ डे में जो घटना हुई, उसका हमने प्रारंभिक रिपोर्ट पेश किया है। स्थानीय लोगों, छात्रों और अभिभावकों से मिली जानकारी के आधार पर यह सामने आया कि घायल अवस्था में नयन जब स्कूल में प्रवेश करता है, तब उसे जरूरी प्राथमिक उपचार नहीं मिलता और अस्पताल पहुंचाने में देर होती है।

इन बातों को ध्यान में रखते हुए प्रारंभिक दृष्टि से हमें स्कूल की गंभीर लापरवाही नजर आई है, जिसकी रिपोर्ट हमने दी है। इसके अलावा हमारी एक शैक्षणिक टीम इस मामले में आगे की जांच कर रही है।